तापमान
अधिकतम 25.6 डिग्री
न्यूनतम 7.5 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार 8 फरवरी 2026

10 अंतरराष्ट्रीय एलीट प्रतियोगिता में रोहतक की नैना ने जीता ...

11 युवक पर फायरिंग सिर में गोली लगी

DUHAN PUBLIC RESIDENTIAL SCHOOL
Run by : **AAKASHDEEP DUHAN SCIENCE INSTITUTE**

C.B.S.E. AFFILIATION NO. 530982

दुहन पब्लिक रजिडेंसियल स्कूल, जसिया/आकाशदीप दुहन साइंस इंसटीटयूट, रोहतक ने 10+2 साईंस में रचा इतिहास तीन बार हरियाणा और पांच बार जिला टॉप किया।

IIT/JEE ADVANCED 2024 में दुहन पब्लिक रेजिडेंशियल स्कूल के चार बच्चों ने मारी बाजी

IIT/JEE MAINS QUALIFIED 2024 आकाशदीप दुहन साइंस इंस्टीटयूट के 16 छात्रों में से 15 ने क्वालिफाइड किया

Free REGISTRATION FEE

Scan Now

SCHOLARSHIP
Cum
ADMISSION TEST
on
SUNDAY, 22ND FEBRUARY 2026
Timing : 11:00 am to 1:00 pm
at

Syllabus PREVIOUS CLASS BASIC

CLASS 1ST TO 9TH & 11TH

SCHOOL CAMPUS, JASSIA
Duhan Public School
Jassia Gohana Road,
Rohtak (HR.)
9253183528, 9350784933

AAKASHDEEP DUHAN INSTITUTE
Basant Vihar, Gali No. 1,
Sonipat Road, Rohtak
9416148363, 9996059603

AAKASHDEEP DUHAN SCIENCE INSTITUTE
KATH MANDI, ROHTAK
Director : 9416148363
Center Head : 9466903708
Co-ordinator : 7056765951

FREE DEMO CLASSES
ONLY FOR 11TH CLASS

Main Features

1st PRIZE ₹51000 GET 100% SCORE	2nd PRIZE ₹31000 GET 90% SCORE	3rd PRIZE ₹21000 GET 80% SCORE	4th PRIZE ₹11000 GET 70% SCORE	5th PRIZE ₹5100 GET 60% SCORE
6th PRIZE ₹4100 GET 50% SCORE	7th PRIZE ₹3100 GET 40% SCORE	8th PRIZE ₹2100 GET 30% SCORE	9th PRIZE ₹1100 GET 20% SCORE	10th PRIZE ₹500 GET 10% SCORE

Note : The scholarship prize amount received will be adjusted against the fees for the Session 2026-27
NOTE : The final decision will be that of the management.

- Each participant will be provided with transportation by the school for scholarship test.
- Free demo classes for 3 days.
- To avail all these benefits, please fill the given registration form with student's name, father's name, phone number and village name in clear letters, scan it and send it to the given whatsapp number.

NEET/JEE SELECTION 2025 IN GOVT. MEDICAL COLLEGE

LAVANYA SAINI
Agartala Govt. Medical College, Agartala, Kunjaban, Agartala, Tripura West, Tripura
Rank : 22744 NEET SCORE -532

SACHIN
(Artificial Intelligence)
IIT GUHATI-2025

TANNU NAIN
COLLEGE - PGIMS, ROHTAK MBBS
Rank : 5704

VIR HOODA 94% ANKUR 96% ASHIYA 97.5%

NEET/NDA SELECTION 2024 IN MEDICAL COLLEGE

ANSH DUHAN S/O DR. ASHOK DUHAN NEET - 2024 (MBBS)

SUHANI DUHAN D/O DR. ASHOK DUHAN NEET - 2024 (MBBS)

SANJEET BHARDWAJ NEET - 2024, Rank-5028 Marks : 685/720

JAI KAUSHIK NDA - 2024 SSB QUALIFIED

IIT JEE ADVANCE 2024

ANSH DUHAN
S/o Dr. Ashok Duhan Sir
Rank : 11002

RISHABH
With Dr. Ashok Duhan Sir
CRL : 17548, OBC_NCL:4315

YASH LAMBA
With Dr. Ashok Duhan Sir
CRL : 11852

YURAJ VERMA
With Dr. Ashok Duhan Sir
Score : 660/720 Rank : 21714

ARYAN MALIK IMUCAT-2024 MARCHANT NAVY

ANKITA NEET - 2024 (MBBS) Marks : 501/720 (SC-A)

SAGAR JOIN : VETERINARY SURGEON (2024)

Rohit
Superintendent
VPO. DHAMAR
Batch - 2020
Department : CBSE
Current Posting : CBSE Regional Office, Chennai

DR. ASHOK DUHAN
M.Sc., M.Ed., Ph.D. (Math)
Lecturer in Math (Exp. 18 Years)
(Ex. Lecturer in Jat Institution, Rohtak)
Mob.: 9416148363, 9996059603

DR. SUNITA DUHAN
HOD Chemistry Maharani Kishori Jat Kanya Mahavidyalaya, Rohtak
Ex-Scientist FSL Madhuban Karnal
Mob.: 93507 84933

PRINCIPAL
MRS. ANU RANA
26 Yrs Exp. From Jat Institution
Mob.: 9896205969

SECRETARY
SANTOSH MALIK
Mob.: 9253183528

Jassia, Gohana Road, Rohtak
E-mail : duhanpublicschool2@gmail.com

खबर संक्षेप

बाल विवाह मुक्ति रथ को विधायक का समर्थन

रोहतक। हम सब ने ठाना है, रोहतक जिले से बाल विवाह मिटाना है इस नारे के साथ चल रहे बाल विवाह मुक्ति रथ को व्यापक जन समर्थन मिल रहा है। जिले के जिस भी गांव से यह बाल विवाह मुक्ति रथ निकल रहा है वहां लोग हस्ताक्षर कर इस मुहिम का समर्थन कर रहे हैं। रोहतक जिले में बाल विवाह के खिलाफ 100 दिवसीय अभियान के तहत जस्ट राइटस फार चिल्ड्रन संगठन की सहयोगी संस्था एमडीडी ऑफ इण्डिया द्वारा चलाए जा रहे बाल विवाह मुक्ति रथ के तहत महम के विधायक बलराम दांगी और बेरी के विधायक डॉ. रघुबीर सिंह कादियान ने हस्ताक्षर कर इस मुहिम का समर्थन किया।

श्रुति सैनी और एकता ने जीता कांस्य पदक

रोहतक। पुणे में आयोजित रिदमिक जिम्नास्टिक्स सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में हरियाणा की बेटियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश की झोली में ब्रॉन्ज मेडल डाला है। पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने शनिवार को अपने रोहतक स्थित निवास पर विजेता टीम का भव्य स्वागत और सम्मान किया। चैंपियनशिप में हरियाणा की टीम की ओर से खेलते हुए रोहतक की दो प्रतिभावान खिलाड़ी श्रुति सैनी और एकता ने टीम को पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्पेन में यूक्रेन की बॉक्सर को पराजित कर चमकाया देश का नाम

अंतरराष्ट्रीय एलीट प्रतियोगिता में रोहतक की नैना ने जीता सोना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बॉक्सर एलीट अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए रोहतक की बॉक्सर बेटी नैना ने स्वर्ण पदक जीता। यह प्रतियोगिता स्पेन में आयोजित की गई। फाइनल मुकाबले नैना ने यूक्रेन की बॉक्सर को हराकर स्वर्ण पदक जीता। सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की बॉक्सर को हराया था। कोच सुधीर हुड्डा ने विजेता खिलाड़ी को बधाई दी। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी नैना शानदार प्रदर्शन करके प्रदेश का नाम रोशन किया है। नैना ने बताया कि 2017 में खेलना शुरू किया था। पिता पवन कुमार हॉकी खेलते थे। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का

बॉक्सर नैना ।

प्रतिनिधित्व किया है। पिता से प्रेरित होकर व उन्हीं के कहने पर खेलना शुरू किया। पिता ने कहा था कि इंडिविजुअल गेम खेलना है, क्योंकि इंडिविजुअल गेम में अपनी खुद की मेहनत से पदक जीत सकते हैं। मां रविता वकील हैं। उन्होंने बताया कि दीन बंधु छोटूराम बॉक्सिंग अकादमी में कोच सुधीर हुड्डा के पास अभ्यास करती हूं। 2024 में खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में रजत पदक जीता। 2024 में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में स्वर्ण पदक जीता।

बीएमयू इंटर कॉलेज क्रिकेट टूर्नामेंट में बनी उपविजेता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गुरुग्राम स्थित डीपीजी डिग्री कॉलेज में 2 जनवरी से 6 जनवरी तक आयोजित इंटर कॉलेज क्रिकेट टूर्नामेंट में बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय रोहतक की क्रिकेट टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल कर उपविजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। टूर्नामेंट के दौरान विश्वविद्यालय की टीम ने मजबूत और अनुभवी टीमों के खिलाफ कड़े मुकाबले खेले। खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में अनुशासन, खेल भावना और बेहतरीन टीमवर्क का परिचय दिया। सेमीफाइनल और फाइनल तक का सफर तय कर टीम ने यह साबित किया कि निरंतर अभ्यास और सामूहिक प्रयास से बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। फाइनल मुकाबले में टीम ने आखिरी ओवर तक संघर्ष करते हुए दर्शकों का भरपूर उत्साह बढ़ाया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बीएम यादव ने कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम नहीं, बल्कि यह नेतृत्व, अनुशासन और आत्मविश्वास भी विकसित करता है। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार ने भी टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता खिलाड़ियों की मेहनत, कोचिंग स्टाफ के मार्गदर्शन और विश्वविद्यालय के सकारात्मक खेल वातावरण का परिणाम है। इस अवसर पर स्पोर्ट्स डिप्टी डायरेक्टर डॉ. बबलू शर्मा, डॉ. नवीन कुमार, डॉ. अमित, डॉ. हरविंदर मौजूद रहे।

जीडी गोयनका सनसिटी वार्षिक खेल दिवस संपन्न

रोहतक। जीडी गोयनका सनसिटी रोहतक में वार्षिक खेल दिवस का आयोजन उत्साह और खेल भावना के साथ किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावक भी उपस्थित रहे और बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने दौड़, कूद और रिले रेस सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। स्कूल की प्रबंध निदेशक अनामिका बलहारा ने कहा कि खेल बच्चों को अनुशासन, टीम वर्क, नेतृत्व क्षमता, धैर्य और हार-जीत को स्वीकार करने की सीख देते हैं। उन्होंने बताया कि खेल गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास बढ़ाने और सामाजिक संबंध मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के राज्य उपाध्यक्ष सतीश नांदल और कमल हुड्डा उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान उत्साहपूर्ण माहौल रहा और खिलाड़ियों का जोश देखते ही बनता था।

रोहतक। अतिथि को सम्मानित करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

न्यूज डायरी

पठानिया पब्लिक स्कूल में विदाई समारोह

रोहतक। पठानिया पब्लिक स्कूल में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों द्वारा तिलक व बैज लगाकर स्वागत और हवन के साथ हुई, जिसमें सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, ऊर्जावान नृत्य और मनोरंजक लघु नाटिका के माध्यम से कार्यक्रम को यादगार बना दिया। रैंप वॉक और टैलेंट राउंड में विद्यार्थियों ने गायन, नृत्य, कविता व भाषण से अपनी प्रतिभा दिखाई। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभम, गुनिका, कपिस, मांसी, हरप्रीत, जन्नत, युगम, कनिष्का व भव्य सहित कई छात्रों को विभिन्न खिताबों से सम्मानित किया।

आईबी विद्यालय में भव्य विदाई समारोह

रोहतक। आईबी विद्यालय में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के सम्मान में उत्साह और भावनाओं से भरा भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और स्वागत भाषण से हुई। विद्यालय के चेयरमैन अमरजीत सिंह ढुल ने विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की, वहीं शिक्षकों ने अपने अनुभव साझा कर उन्हें जीवन में लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रेरित किया। समारोह में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए सभी का मन मोह लिया। नृत्य, गीत और मनोरंजक गतिविधियों से कार्यक्रम में ऊर्जा और उत्साह का माहौल बना रहा। इस दौरान विभिन्न श्रेणियों में विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, जिसमें गर्वित को मिस्टर आई.बी, रिया को मिस आई.बी, लक्ष्य को मिस्टर बहुमुखी प्रतिभा, तराशा को मिस बहुमुखी प्रतिभा, प्रणव को मिस्टर आकर्षक और सृष्टि को मिस आकर्षक के खिताब से नवाजा गया।

धज्जाराम स्कूल में मनाया वार्षिक समारोह

रोहतक। धज्जाराम सीनियर सेकेंडरी स्कूल रुड़की में 28वां वार्षिक उत्सव एवं पारितोषिक वितरण समारोह भव्य और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। विद्यार्थियों की रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों लोकनृत्य, समूह गीत और एकल नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और पूरा परिसर तालियों से गूंज उठाया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय के पूर्व छात्र मोहित हुड्डा, अजय हुड्डा, दीपक, डॉ. आशीष, अमित और संदीप सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इसके अलावा सूर्य प्रकाश, संदीप हुड्डा और पवन आर्या ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

रोहतक रॉयल्स बना कबड्डी चैंपियंस लीग में चैंपियन

रोहतक। एड्रॉइट स्पोर्ट्स एलएलपी की स्वामित्व वाली कबड्डी फ्रेंचाइज़ी रोहतक रॉयल्स ने स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा सोनीपत में खेले गए कबड्डी चैंपियंस लीग के फाइनल में भिवानी बुल्स को 32–30 से हराकर खिताब अपने नाम किया। मुख्य कोच सुरेंदर नाडा के नेतृत्व में रॉयल्स ने पूरे टूर्नामेंट में जुझारूपन, अनुशासन और फुर्ती का शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की। फाइनल मुकाबले में राकेश सिंगरोहा आठ अंकों के साथ रोहतक के लिए शीर्ष स्कोरर रहे। उन्हें मिलान दहिया (पांच अंक) का अच्छा साथ मिला, जबकि विजय मलिक, संदीप देसवाल और आर्यन ने तीन-तीन अंक जोड़े। कम स्कोर वाला यह फाइनल बेहद रोमांचक रहा, जिसमें रॉयल्स के सामूहिक प्रदर्शन ने उन्हें खिताबी जीत दिलाई। रोहतक रॉयल्स और भिवानी बुल्स के बीच खेले गए इस फाइनल मुकाबले की शुरुआत तेज़ रही, जिसमें रॉयल्स ने तीसरे मिनट तक 4–2 की बढ़त बना ली। विजय मलिक, राकेश सिंगरोहा और मिलान दहिया ने टच पॉइंट्स हासिल किए, जबकि रॉयल्स के डिफेंस ने भिवानी के देवांक को रोकते हुए एक शानदार डिफेंसिव पॉइंट हासिल किया। शुरुआती मिनटों में दबदबा बनाए रखते हुए रॉयल्स ने पांचवें मिनट में मैच का पहला ऑल-आउट किया और स्कोर 9–3 कर लिया। भिवानी ने दबाव बढ़ाते हुए अंतर को एक अंक तक कम कर दिया और रोहतक को ऑल-आउट के कगार पर ला दिया। ऐसे अहम मौके पर राकेश सिंगरोहा ने मैच का पहला सुपर रेड करते हुए टीम को राहत दिलाई और 13वें मिनट में स्कोर 15–11 कर चार अंकों की बढ़त दिलाई।

ग्रीनलैंड स्कूल में 12वीं के विद्यार्थियों को दी विदाई

रोहतक। ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल दत्तौड़ में 7 फरवरी को कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए भव्य और भावनात्मक विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत भाषण से हुई, जिसके बाद कनिष्ठ विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। विद्यार्थियों ने अपने स्कूल जीवन के यादगार अनुभव साझा किए और शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भावुक पल भी देखने को मिले। समारोह के दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कक्षा 12वीं कॉमर्स के छात्र मोहित को और साइंस की छात्रा गरिमा को खिताब से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर निर्देशक अत्तर सिंह कौशिक एवं सहनिर्देशिका संतोष कौशिक ने विद्यार्थियों को अनुशासन, आत्मविश्वास और नैतिक मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी।

साईं प्रीमियर लीग की धूम, आईपीएल की तर्ज पर होगा भव्य ऑक्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक में पहली बार साईं प्रीमियर लीग का आयोजन होने जा रहा है, जिसे लेकर शहर में उत्साह का माहौल है। रोहतक के प्रसिद्ध ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. संदीप भूकर की अगुवाई में आयोजित यह लीग 25 वर्ष से अधिक उम्र के वर्किंग प्रोफेशनल्स के लिए शुरू की गई है, ताकि वे खेल के माध्यम से तनावमुक्त जीवन जी सकें और स्वास्थ्य को बेहतर बना सकें। लीग में आठ टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें गोयंका वॉरियर्स, पठानिया सुपर किंग्स, एसआरएस रॉयल्स, सनफ्लैग ग्लोबल हीलर्स, नोबल हेल्थ सिटी स्टार्स, सदाशिव स्टीलर्स, पिज्जा विंग्स कॉर्पोरेट और एलांटा मार्ट सुपर स्टार्स शामिल हैं। ऑक्शन के लिए 200 से अधिक खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है, जिनकी उम्र 25 से 63 वर्ष के बीच है। इसमें डॉक्टर, सरकारी कर्मचारी, कॉर्पोरेट प्रोफेशनल्स और निजी क्षेत्र के कर्मचारी शामिल हैं। लीग 11-12 सप्ताह तक चलेगी और रोहतक में हर रविवार मैच खेले जाएंगे। 8 फरवरी को होने वाले ऑक्शन में सतीश नांदल मुख्य अतिथि रहेंगे। आयोजकों का कहना है कि यह लीग खेल भावना के साथ स्वास्थ्य जागरूकता और टीम स्पिरिट को बढ़ावा देगी। रोहतकवासी इस अनोखी लीग का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

चंडीगढ़ के डीजीपी ने समचाना के छात्रों को दिए सफलता के टिप्स

रोहतक। गांव समचाना के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल में सफलता के मूल मंत्र क्या हैं, को लेकर शनिवार को मानव अधिकार मंच के तत्वाधान में बच्चों से सीधा संवाद किया। बच्चों से उनके लक्ष्य के बारे में पूछा गया। बच्चों के पूछे गए सवालों का जवाब अनुभवी और सफल व्यक्तियों का बच्चों से सीधा संवाद करवाया गया। कुछ बच्चों द्वारा पुलिस ऑफिसर बनने के सवालों का जवाब चंडीगढ़ पुलिस के डीजीपी डॉ. सागर प्रीत हुड्डा ने वीडियो कॉल के माध्यम से संवाद किया। उन्होंने सभी बच्चों के प्रश्नों का उत्तर दिया। और सफलता का मूल मंत्र बच्चों को बताए।

बुजुर्गों की पेंशन काटना भाजपा सरकार का सबसे बड़ा जनविरोधी निर्णय : मंजीत कन्हेली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

इनेलो के प्रदेश सचिव मंजीत कन्हेली ने कहा कि बुजुर्गों की पेंशन काटना भाजपा सरकार का सबसे बड़ा जनविरोधी निर्णय है और इनेलो पार्टी सड़क से लेकर सदन तक इसका विरोध करेगी। उन्होंने कहा कि ताऊ देवीलाल ने बुजुर्गों के मान सम्मान के लिए पेंशन स्कीम लागू की थी, लेकिन आज वर्तमान सरकार पैंशन में बढ़ोतरी करने की बजाए उल्टा पैंशन को काटकर बुजुर्गों के मान सम्मान को ठेस पहुंचाने में लगी हुई है, जिसे इनेलो पार्टी किसी कीमत पर सहन नहीं करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार लगातार जनविरोधी निर्णय ले रही है, जिसके चलते आज हर वर्ग सरकार से पूरी तरह से परेशान है और इनेलो सड़क से लेकर सदन तक सरकार का विरोध करेगी। इनेलो के प्रदेश सचिव मंजीत कन्हेली शनिवार को पार्टी कार्यालय में कार्यकत्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 14 फरवरी को इनेलो सुप्रीमो अभय सिंह चौटाला अपना जन्मदिवस रोहतक में कार्यकर्ताओं के साथ धूमधाम के साथ मनाएंगे। इस अवसर पर कुलदीप, मास्टर जगत सिंह, जयबीर, विशाल, रवि, संदीप मोखरा, बिजेन्द्र पटवारी, मोनू प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

सीके नायडू ट्रॉफी: दो दिनों में गिरे 24 विकेट, हरियाणा के पहली पारी में 258 रन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

चौधरी बंसीलाल स्टेडियम लाहली में खेले जा सीके नायडू ट्रॉफी के मैच में शनिवार को दूसरे दिन मुंबई ने 55 रन की लीड ले ली है। हरियाणा व मुंबई के बीच खेले जा रहे मैच में मुंबई ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने पर चार विकेट के नुकसान पर 46 रन बनाए। हरियाणा ने पहली पारी में 258 रन बनाए। हरियाणा की ओर से सर्वेश ने 82 और रिषभ ने 71 रन बनाए। मुंबई की ओर से हिमांशु सिंह ने आठ विकेट लिए। इस मैच दो दिनों में 24 विकेट गिरे। दूसरे दिन मुंबई ने पहली पारी में सात विकेट के नुकसान पर 250 रन से आगे खेलना शुरू किया और पूरी 267 रन पर ऑलआउट हो गई। मुंबई की ओर से मनन ने 104, आयुष ने 63 रन बनाए। हरियाणा की ओर से आयुष शर्मा ने पांच और विवेक कुमार ने तीन विकेट लिए। हरियाणा ने अपनी पहली पारी की शुरूआत अच्छी नहीं रही 20 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवा दिया। इसके बाद लगातार विकेट गिरते रहे और 64 रन के स्कोर पर 4 विकेट गिरने के बाद टीम संकट में आ गई।

MANSAROVER HOSPITAL
MULTI SUPER SPECIALITY HOSPITAL
NEAR PNB BANK, OPP. VIKAS NAGAR, SONIPAT ROAD, ROHTAK, HARYANA
RECEPTION: 01262-253500, 9053005599, 9254302848
REQUIRES
- BAMS 2
- RMO 2
- NURSING STAFF 4
- MRI/CT TECHNICIAN 2
- ACCOUNTANT 1
- COMPUTER OPERATOR 2
- RECEPTION 2
- WARD BOY 4

उपायुक्त ने सिविल अस्पताल के मरम्मत कार्यों का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने शनिवार को नागरिक अस्पताल के भवन की विशेष मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण से जुड़े सभी कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। वे कार्यों का मौका देखने के लिए अस्पताल गए थे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। सचिन गुप्ता ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को आपसी तालमेल के साथ कार्य करने तथा सभी कार्यों की एक प्राथमिकता-आधारित सूची तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सूची इस प्रकार बनाई जाए कि किन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पहले किया जाना है और किन कार्यों को बाद में पूरा किया जा सकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि सर्वप्रथम आईसीयू से संबंधित कार्यों को पूर्ण किया जाए, क्योंकि यह सीधे गंभीर मरीजों की सुविधाओं से जुड़ा हुआ है। डीसी ने बताया कि आईसीयू का अधिकांश कार्य पूरा हो चुका है। अस्पताल भवन की छत पर चल रहे मरम्मत कार्यों का भी निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। इसके अतिरिक्त उन्होंने प्राइवेट वार्ड, ऑपरेशन थिएटर, मदर एंड चाइल्ड हेल्थ केयर, ओपीडी तथा शौचालयों का भी निरीक्षण किया।

पोर्टल बने आम-आदमी के लिए परेशानी का सबब : जीवन सिंह

रोहतक। प्रदेश सरकार ने नागरिकों को पारदर्शी, डिजीटल और पेपरलैस सेवाएं प्रदान करने के लिए पोर्टल और वेबसाईट लांच की हुई है। जिनका उदेश्य सरकारी कार्यों में भ्रष्टाचार को कम करना और जनता को सीधा लाभ पहुंचाना है। जनसेवा ट्रस्ट हरियाणा के प्रधान जीवन सिंह ने बताया कि पोर्टलों से न हीं सरकारी कार्यों में भ्रष्टाचार कम हुआ तथा न ही जनता को लाभ मिला। सिंह ने बताया कि प्रमाण पत्र के लिए, परिवार पहचान पत्र, हरियाणा ई-जिला सेवा, एच.एस वीपी, इन्वेस्ट हरियाणा, जन सहायक एप, चिरायु जाब पोर्टल, हरियाणा श्रमिक पोर्टल, सम्पति कर, चिरायु आयुष्मान, वृद्धा सम्मान भत्ता, दिव्यांग पेशन, विवाह सगुन आदि को लेकर हो रही परेशानी।

एमडीयू के पत्रकारिता व जनसंचार विभाग में मिलन समारोह

एक दूसरे से मिलकर प्रसन्न हुए पूर्व विद्यार्थी, अनुभव किए साझा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के पत्रकारिता व जनसंचार विभाग में पूर्व छात्र मिलन समारोह (एलुमनी मीट) का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न बैच के पूर्व विद्यार्थियों ने शिरकत की और पुरानी यादों को ताजा किया। पूर्व छात्रों ने बताया कि वह आज जो भी हैं वह इस संस्था की देन है और आज वह यहां आकर स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। पूर्व विद्यार्थियों ने कहा कि करियर के जिस मुकाम पर हैं, उसमें इस विभाग का काफी योगदान रहा हैं। इस मिलन समारोह में 45 पूर्व विद्यार्थियों ने शिरकत की। छात्रा ईशा ने मंच पर बता मेरे यार सुदामा रे के सुर छेड़े, तो जैसे वक्त थम गया। उनकी सुरीली आवाज और भजन के गहरे भावों ने वहाँ मौजूद हर व्यक्ति को मंत्रमुग्ध कर दिया समारोह की शुरुआत विभाग अध्यक्ष प्रो. गुलाब सिंह के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने अपने संबोधन में सभी पूर्व छात्रों का अभिनंदन किया और विश्वविद्यालय की प्रगति में उनके योगदान की सराहना की। इसी कड़ी में सेवानिवृत्त प्रोफेसर हरीश कुमार ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर सीखने और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। डॉ. नवीन कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनका मार्गदर्शन किया। डॉ. नवीन ने एक सुरीला गाना गाकर समां बांध दिया।

रोहतक। एमडीयू में आयोजित मिलन सामारोह में मौजूद पूर्व विद्यार्थी व शिक्षक।

विद्यार्थी नई उपलब्धियां हासिल करें

एल्यूमनी मीट में पुराने साथियों से मिलकर अत्यंत प्रसन्न हूँ। आने वाले समय में हमारा विभाग और यहां के विद्यार्थी नई उपलब्धियां हासिल करे, ऐसी मेरी शुभकामना है। आज मैं करियर के जिस मुकाम पर हूं उसमें इस विभाग का काफी योगदान रहा हैं। **-प्रिया कुसुम, असिस्टेंट प्रोफेसर, गवर्नमेंट कॉलेज, हिसार**

विभाग लगातार सराहनीय कार्य कर रहा

इस कार्यक्रम के माध्यम से मीडिया क्षेत्र से जुड़े अनुभव साझा करने का अवसर मिला। विभाग लगातार छात्रों को अकादमिक और व्यावहारिक रूप से सशक्त बनाने के लिए सराहनीय प्रयास कर रहा है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों, एलुमनी और मीडिया पेशेवरों के बीच मजबूत संवाद स्थापित करते हैं। **-नसीम, असिस्टेंट प्रोफेसर, बाबा फरीद कॉलेज, भठिंडा**

पुरानी यादों को किया ताजा

मैं 1993-94 बैच का विद्यार्थी रहा हूं। मिलन समारोह में बहुत अच्छा लगा। अगर पत्रकारित व जनसंचार की डिग्री मैं नहीं करता तो शायद आज इस फिल्ड में नहीं आ पाता। इस कार्यक्रम में पहुंचकर पुरानी यादे ताजा हुई। **-संजीव सैनी, जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी, रोहतक**

कार्यक्रम के प्रति जताया आभार

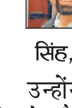

2004-06 का विद्यार्थी रहा हूं। मेरे बैच से तीन लोग आए थे। कार्यक्रम में आकर बहुत खुशी हुई। इस तरह के कार्यक्रम हर साल होने चाहिए। **-डॉ. सतनाम सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, एमिटी यूनिवर्सिटी गुरुग्राम**

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार 8 फरवरी 2026

तापमान
अधिकतम 25.6 डिग्री
न्यूनतम 7.5 डिग्री

मांगों को लेकर डीसी को ज्ञापन सौंपेगी अखिल भारतीय किसान सभा

महम। अखिल भारतीय किसान सभा तहसील कमेटी की बैठक शनिवार को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में हुई। बैठक की अध्यक्षता का तहसील प्रधान शमशेर सिवाच ने की। मीटिंग का संचालन तहसील सचिव राय सिंह नेहरा ने किया। मीटिंग में किसानों की ज्वलंत समस्याओं पर जन अभियान चलाने और 12 तारीख की राष्ट्रव्यापी हड़ताल में बढ़-चढ़कर शामिल होने का निर्णय लिया गया।

शहर में आज

- आंबेडकर चौक पर सुबह 9 बजे रक्तदान शिविर
- मांगों को लेकर रोडवेज कर्मचारियों की बैठक

बिजली कट

- सुबह 10 से 1.30 बजे तक वैश्य कॉलेज, नया पड़ाव, अग्रसेन कॉलोनी, जनता कॉलोनी, कच्चा बेरी रोड, न्यू जनता कॉलोनी, सुनारिया रोड, श्री राम नगर, हरी सिंह कॉलोनी, कुंज विहार, नई अनाज मंडी, नई सब्जी मंडी, शुगर मिल कॉलोनी, अजीत कॉलोनी, राजेंद्र कॉलोनी, पालिका कॉलोनी, रेलवे फीडर
- सुबह 12 से 3 बजे तक लाढ़ौत रोड, हैफेड रोड, आजादगढ़, दिल्ली रोड, सुखपुरा, उत्तम विहार, आसानियों वाली गली
- सुबह 10 से 5 बजे तक डीएलएफ कॉलोनी, जगदीश कॉलोनी, चिन्योट कॉलोनी, रामनगर, नेताजी नगर, गांधीनगर, जवाहर नगर, आर्य नगर शिवम एनक्लेव, सर्कुलर रोड, गांधी कैंप, घनीपुरा, बैंक कॉलोनी, पटेल नगर, श्री नगर कॉलोनी
- सुबह 10 से 4 बजे तक पालिका बाजार, छोटू राम चौक, झंग कॉलोनी, मानसरोवर कॉलोनी।

लगातार बढ़ते मामले शहर की कानून-व्यवस्था पर उठा रहे सवाल

बीते कुछ दिनों में अलग-अलग नंबरों से कॉल की

सर्राफा व्यापारी हेमंत बख्शी से मांगी 5 करोड़ की रंगदारी

गैंगस्टर लिंक : व्यक्ति ने खुद को रोहित गौदारा गैंग से जुड़ा बताकर पैसे मांगे

धमकी दी : यदि तय समय में रकम नहीं दी गई तो परिवार सहित जान से मार देंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र रेलवे रोड पर कारोबार करने वाले जाने-माने व्यापारी हेमंत बख्शी से पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगे जाने का मामला सामने आने के बाद शहर में हड़कंप मच गया है। अज्ञात व्यक्ति द्वारा मोबाइल कॉल और मैसेज के जरिए दी गई धमकियों ने न केवल व्यापारी और उसके परिवार को भयभीत कर दिया है, बल्कि शहर की कानून-व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और साइबर सेल व क्राइम ब्रांच को भी सक्रिय किया गया है।

साइबर तकनीक के जरिए पहचान छिपाने की आशंका, व्यापारी वर्ग में बढ़ा डर

ऐसे सामने आया मामला

जानकारी के अनुसार व्यापारी हेमंत बख्शी को बीते कुछ दिनों से अलग-अलग मोबाइल नंबरों से कॉल आ रही थीं। कॉल करने वाला व्यक्ति खुद को रोहित गौदारा गैंग से जुड़ा बताता था और सीधे तौर पर पांच करोड़ रुपये की मांग कर रहा था। आरोपी का कहना था कि यदि तय समय में रकम नहीं दी गई तो व्यापारी और उसके परिवार को जान से मार दिया जाएगा। शुरू में इन कॉल्स को हल्के में लिया गया, लेकिन जब धमकी का सिलसिला बढ़ा और मैसेज के जरिए भी दबाव बनाया गया, तब मामला गंभीर हो गया।

व्हाट्सएप पर भेजा मैसेज तो पुलिस से किया संपर्क

बताया जा रहा है कि आरोपी ने व्हाट्सएप पर भेजे गए मैसेज में व्यापारी की दुकान का समय, रोजमर्रा की गतिविधियों और पारिवारिक जानकारी होने का दावा किया। इस तरह की जानकारी सामने आने से व्यापारी और उसके परिजन सहम गए। उन्हें आशंका हुई कि आरोपी लंबे समय से उनकी गतिविधियों पर नजर रख रहा है। इसके बाद व्यापारी ने बिना देरी किए पुलिस से संपर्क किया और पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी।

पहचान छिपाने के लिए इंटरनेट आधारित एप्स का कर रहे इस्तेमाल

शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ फिरौती मांगने और आपराधिक धमकी देने की धाराओं में केस दर्ज किया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी ने अपनी पहचान छिपाने के लिए अलग-अलग मोबाइल नंबरों और संभवत, इंटरनेट आधारित कॉलिंग ऐप्स का इस्तेमाल किया है। पुलिस कॉल डिटेल रिकॉर्ड, मोबाइल लोकेशन और तकनीकी साक्ष्यों की जांच कर रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर सेल और क्राइम ब्रांच को भी जांच में शामिल किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जल्द ही आरोपी तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है। व्यापारी और उसके परिवार की सुरक्षा को लेकर भी अतिरिक्त इंतजाम किए गए हैं।

मजबूत लोगों को निशाना बना रहे

घटना सामने आने के बाद रेलवे रोड, पुरानी अनाज मंडी और आसपास के बाजारों में व्यापारियों के बीच डर का माहौल है। व्यापारियों का कहना है कि हाल के दिनों में व्यापारियों और स्कूल संचालकों से फिरौती मांगने के मामले सामने आए हैं, जिससे यह साफ होता है कि अपराधी संगठित तरीके से आर्थिक रूप से मजबूत लोगों को निशाना बना रहे हैं। व्यापारी संगठनों ने इस घटना पर चिंता जताते हुए पुलिस प्रशासन से बाजार क्षेत्रों में गश्त बढ़ाने और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते ऐसे मामलों पर अंकुश नहीं लगाया गया तो व्यापारिक गतिविधियों पर भी इसका असर पड़ेगा।

हरियाणा में अपराधियों के हौसले बुलंद : इशपुनियानी

कांग्रेस नेता व शौरी क्लॉथ मार्केट के प्रधान गुलशन इशपुनियानी ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि हरियाणा में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और व्यापारी वर्ग भय के माहौल में जी रहा है। उन्होंने हाल ही में व्यापारी नेता से 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने, स्कूल संचालक और कपड़ा व्यापारी को मिली धमकियों का जिक्र करते हुए सरकार को जिम्मेदार ठहराया। इशपुनियानी ने कहा कि व्यापारी दुकान खोलने से डर रहे हैं और उद्योगपति निवेश से पहले कई बार सोचने को मजबूर हैं, जिससे व्यापार और शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है। उन्होंने मांग की कि रंगदारी मामलों में शामिल अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, अन्यथा व्यापारी समाज और कांग्रेस पार्टी आंदोलन के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे।

साइबर तकनीक बड़ी चुनौती

एक्सपर्ट्स का मानना है कि रंगदारी जैसे मामलों में साइबर तकनीक का बढ़ता इस्तेमाल पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। वर्चुअल नंबर, इंटरनेट कॉलिंग और फर्जी पहचान के जरिए अपराधी आसानी से अपनी लोकेशन छिपा लेते हैं। ऐसे में पुलिस को तकनीकी रूप से और अधिक मजबूत होने की जरूरत है।

संदिग्ध कॉल की सूचना दें

मामले की गहनता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। एसपी ने व्यापारियों और आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी तरह की धमकी या संदिग्ध कॉल मिलने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें और खुद कोई कदम न उठाएं।

-सुरेंद्र भौरिया, एसपी रोहतक

कहासुनी के बाद की वारदात

गांव खिड़वाली में युवक पर फायरिंग, सिर में गोली लगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

घायल नवीन।

सदर थाना अंतर्गत स्थित गांव खिड़वाली में शनिवार शाम को एक युवक पर गांव के ही रहने वाले कुछ लोगों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगने से व्यापारी घायल हो गया, उसे उपचार के लिए पीजीआई में भर्ती कराया गया है। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस के अनुसार, घायल की पहचान खिड़वाली निवासी 30 वर्षीय नवीन भंडर के रूप में हुई। जांच में पता चला है कि शनिवार रात गांव के ही कुछ लोगों के साथ कारोबारी की कहासुनी हो गई, जिसमें आरोपियों ने नवीन पर गोलियां चला दी। इस दौरान नवीन के सिर पर गोली लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे पीजीआई के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया गया। जहां डॉक्टरों ने नवीन का इलाज शुरू कर दिया।

नवीन पर कई मामले दर्ज

नवीन के खिलाफ कई केस दर्ज है। उस पर फायरिंग करने, युवक को गोली मारने, लूटपाट करने, स्नैचिंग और अवैध हथियार के दर्जनों मामले दर्ज हैं। वह किसी मामले में इस समय जमानत पर आया हुआ था। पुलिस उसके रिकार्ड की जांच कर रही है। साथ ही आरोपियों की तलाश की जा रही है।

आरोपियों की तलाश कर रहे

खिड़वाली में फायरिंग होने की सूचना मिली थी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घायल के बयान लिए जाएंगे, जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

-सुभाष, एसएचओ, सदर थाना

आढ़ती आत्महत्या मामले में सस्पेंस बरकरार

पैसों या आपसी विवाद की जानकारी सामने नहीं आई

रोहतक। अनाजमंडी में आढ़ती गांव बहुअकबरपुर निवासी जयपाल की आत्महत्या की गुत्थी सुलझ नहीं रही है। शनिवार को पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम परिजनों को सौंप दिया गया है। हालांकि आत्महत्या के पीछे की वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सकी है और पुलिस विभिन्न पहलुओं से जांच कर रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार जयपाल की अनाजमंडी में आढ़ती की दुकान है, जो उनके और उनके भाई महिपाल फौजी के नाम से चलती है। बताया जा रहा है कि घटना वाले दिन शाम के समय जयपाल दुकान के बाहर कुर्सी पर बैठे थे। उसी दौरान उन्होंने अपनी लाइसेंसी पिस्तौल से खुद को गोली मार ली। उस समय कुछ दूरी पर अन्य दुकानदार ताश खेल रहे थे, जिनमें उनका भाई महिपाल भी शामिल था।

डॉ. संजय तिवारी बने राष्ट्रीय दंत आयोग के अध्यक्ष

रोहतक। पं. बीडी शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के पीजी इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल स्टडीज (पीजीआईडीएस) के डीन एवं प्रिंसिपल डॉ. संजय तिवारी को केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय दंत आयोग (नेशनल डेंटल कमीशन) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति उनके लंबे प्रशासनिक अनुभव, अकादमिक योगदान और दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाओं को देखते हुए की गई है। डॉ. संजय तिवारी वरिष्ठ दंत सर्जन हैं। उन्होंने 1993 में पीजीआईएमएस में ज्वाइन किया था। इसके बाद वह 2006 में प्रिंसिपल के पद पर पदोन्नत हुए। उनके नेतृत्व में पीजीआईडीएस ने शैक्षणिक, शोध और चिकित्सकीय सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। संस्थान में आधुनिक तकनीकों की शुरुआत, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, तथा रोगी सेवाओं के विस्तार में उनका योगदान सराहनीय रहा है। राष्ट्रीय दंत आयोग के अध्यक्ष के रूप में डॉ. तिवारी देशभर में दंत शिक्षा की गुणवत्ता, दंत चिकित्सकों के मानकों और आमजन को बेहतर दंत स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उनकी नियुक्ति से दंत चिकित्सा क्षेत्र में सकारात्मक सुधारों की उम्मीद की जा रही है। नियुक्ति पर हेल्थ विवि रोहतक के कुलपति डॉ एचके अग्रवाल का आभार जताया है।

महम बाईपास पर हादसा कैंटर चालक की मौत

महम। महम बाईपास पर हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में कैंटर चालक की मौत हो गई। यह हादसा एनएच-9 पर हुआ था। फरीदकोट के साहब जादा फतेह सिंह नगर निवासी सेवक सिंह पुत्र भरपूर सिंह ने बताया कि भाई जगदीप कंपनी में कैंटर पर चालक है। शुक्रवार को पाइप लोड करके राजस्थान जा रहा था। रात 1: 00 बजे महम में बाईपास पर शेरे पंजाब होटल के पास पहुंचा तो उसकी गाड़ी के आगे ट्राला चालक ने ब्रेक लगा दिए। जिससे कैंटर की सीधी टक्कर ट्राला के पीछे जाकर लगी। भाई जगदीप (30 वर्ष) को काफी चोटें आई। अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

1.90 लाख की ठगी का आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने वर्क फ्रॉम होम के नाम पर हुई 1 लाख 90 हजार रुपये की साइबर ठगी के मामले में गिरोह से जुड़े एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सतपाल पुत्र गुरमेज निवासी उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे अदालत में पेश कर आगे की जांच शुरू कर दी है। खेड़ी साध निवासी अन्नु की शिकायत पर केस दर्ज किया गया था। 9 जुलाई 2025 को पीड़ित के पास वर्क फ्रॉम होम का मैसेज आया था।

फ्लैट में युवक की संदिग्ध मौत

दो साल पहले यूपी की युवती से प्रेम विवाह किया था और दोनों साथ रह रहे थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिले के अर्बन एस्टेट थाना क्षेत्र स्थित बीपीएल फ्लैट में किराये पर रहने वाले एक युवक की मौत का मामला सामने आया है। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं, एफएसएल की टीम इंचार्ज डॉ. सरोज दहिया ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवक पिछले कुछ समय से आर्थिक और तनाव से गुजर रहा था। मृतक की पहचान रवि पुत्र रणधीर, निवासी गांव बड़वासनी जिला सोनीपत के रूप में हुई है, जो पिछले करीब एक साल से बीपीएल फ्लैट में रह रहा था। परिवार के अनुसार बचपन में ही रवि अपने चाचा के पास रोहतक आ गया था और यहीं पढ़ाई पूरी की। बाद में वह इंश्योरेंस का काम करने लगा। करीब दो साल पहले उसने उत्तर प्रदेश की एक युवती से प्रेम विवाह किया था और दोनों साथ रह रहे थे। परिवार का कहना है कि गांव की एक महिला से जुड़े आर्थिक लेन-देन के मामले में रवि का नाम सामने आया था। करीब 62 हजार रुपये के ट्रांजैक्शन को लेकर पुलिस ने पहले उसे पूछताछ के लिए पकड़ा था।

ड्रेन आठ और केसीबी में बीओडी की मात्रा तय मानक से अधिक मिली

ड्रेन से लिए गए थे पानी के तीन सैंपल

कैसे साफ होगी यमुना : सोनीपत-रोहतक और झज्जर भेज रहे दूषित पानी

- गत दिसंबर में लिए गए थे पानी के सैंपल, सांघी, काहनौर, बलम, मायना, करौंथा, कन्हैली समेत दूसरे गांवों से ड्रेनों में डाला जाता है दूषित पानी
- दिक्कत यह है कि जरूरत के मुताबिक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट नहीं
- हिसार रोड स्थित उद्योगों द्वारा केमिकल युक्त पानी छोड़ा जा रहा

अमरजीत एस गिल ▶▶| रोहतक

गत दिसंबर में रोहतक के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कार्यालय ने ड्रेन आठ और केसीबी ड्रेन से पानी के तीन स्थानों सैंपल लिए थे। अब इनकी रिपोर्ट आ गई है। जिसमें खुलासा हुआ है कि दोनों ड्रेन के पानी में बीओडी की मात्रा तय मानक 10 से कहीं ज्यादा है। तीनों सैंपल में क्वांटिटी 13-14 तक बताई जा रही है। जोकि काफी ज्यादा है। ऐसे में अब सवाल खड़े हो गए हैं कि अगर इस तरह हम दूषित पानी यमुना में डालते रहे तो जीवन दायिनी कैसे साफ होगी। ध्यान रहे कि यमुना की सफाई का मुद्दा काफी साल से बना हुआ है। सरकारें आ और जा रही हैं । लेकिन अभी तक किसी भी सरकार ने नदी को साफ करने की ठोस पहल नहीं की।

ये होता है बीओडी

बीओडी (बॉयोकैमिकल ऑक्सीजन डिमांड) होता है। पानी प्रदूषित होने का मुख्य कारण ये है कि सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की कमी, अनुपचारित सीवेज और औद्योगिक कचरा। रोहतक में ड्रेन आठ सोनीपत जिले से प्रवेश करती है। जबकि केसीबी ड्रेन का हेड रोहतक जिले में ही है। प्रदूषण नियंत्रण विभाग का कहना है कि ड्रेन के पानी में बीओडी की मात्रा 10 तक होनी चाहिए। अगर इससे ज्यादा है तो जलीय जीवन को नुकसान पहुंचाता है। बीओडी जल की गुणवत्ता का एक महत्वपूर्ण सूचक है, जो अपशिष्ट जल में कार्बनिक प्रदूषण की मात्रा को दर्शाता है। उच्च बीओडी स्तर भारी कार्बनिक अपशिष्ट का संकेत देते हैं। जब जल में कोई कार्बनिक पदार्थ (कार्बनिक प्रदूषक) मौजूद होते हैं, तो उस जल निकाय में मौजूद अपघटक या वायवीय सूक्ष्मजीव उस कार्बनिक पदार्थ को ऑक्सीकृत करके विघटित करते हैं। इस प्रक्रिया के लिए ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है और जीवाणु जल में घुलित ऑक्सीजन से ऑक्सीजन ग्रहण करते हैं।

ये हैं ड्रेनों के रूट: ड्रेन 8 सोनीपत जिले से रोहतक में प्रवेश करती है। सांघी, सिसरौली, सुंदरपुर, रोहतक शहर के बाहर-बाहर होते हुए काहनौर चिमनी से झज्जर जिले में इंट्री कर जाती है। भिंडावास पक्षी विहार होते हुए ये झज्जर जिले के ही कई गांवो से होते हुए दिल्ली के गांव झाड़ौदा, दिचाऊकलां, और नजफगढ़ नाले में जाकर समाहित होती है।

कार्रवाई की जाएगी

दोनों ड्रेनों के पानी के सैंपल में बीओडी की मात्रा 10 से कहीं ज्यादा है। सरकार को इस बारे में अवगत कराया दिया गया है। दूषित डालने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। **-दिनेश कुमार, कार्यकारी अभियंता, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कार्यालय रोहतक**

In Loving Memory of
Smt. Ram Bhateri
1938 - 05 February 2026

With deep sorrow and heavy hearts, the Gehlawat family informs the peaceful passing of Smt. Ram Bhateri, aged 88, on February 5, 2026.

Born in Village Kultana, Haryana, she embraced the values of strength, grace, and devotion from a young age. She married Sepoy Dhoop Singh of 6 MAHAR Regiment, a courageous martyr and war hero of the 1962 conflict. At the tender age of 25, she became a war widow, tasked with nurturing their 8-month-old son. As the brave wife of a soldier who sacrificed his life for the nation, she shouldered her responsibilities with remarkable courage and quiet resilience. Her life stood as a testament to sacrifice, dignity, and unwavering patriotism.

Smt. Ram Bhateri was celebrated for her brave spirit, gentle wisdom, and boundless love. She raised her family with strength and compassion, imparting values rooted in integrity and affection across generations. Her warmth touched everyone who had the honor of knowing her. Though she has departed from this world, her blessings, teachings, and memories will forever remain etched in our hearts.

She is survived and will be deeply remembered by:

- Son: Lt Col Niranjan Singh Gehlawat (Retd), Director Contracts
- Daughter-in-law:Smt. Santosh Kumari, Sanskrit Lecturer (Retd)
- Grandchildren:Mr. Prince Gehlawat & Maj. Shailli Gehlawat
- Granddaughter-in-law:Mrs. Preeti Rana , Manager, SBI
- Grandson-in-law:Maj. Abhishek Singh Thakur
- Great-grandchildren:Advaita ,Advik & Tejas

She will be lovingly remembered and profoundly missed by the entire Gehlawat, Sheoran, Rana, and Thakur families.
For condolences, please contact:
- +91 9530758981
- +91 9050889557

ॐ OM SHANTI ॐ

वीटा प्लांट से नया बस अड्डा तक की सड़क की हालत जर्जर

तीन किलोमीटर में 100 गड्ढे, 18 तो जानलेवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के नया बस अड्डा से वीटा प्लांट चौक तक की मुख्य सड़क इन दिनों लोगों के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। करीब तीन किलोमीटर की इस सड़क में सौ से अधिक गड्ढे होंगे। साथ ही 18 से ज्यादा तो जानलेवा हैं। इसकी वजह से आए दिन हादसे हो रहे हैं, जिनका शिकार राहगीर, दोपहिया वाहन चालक और भारी वाहन भी बन रहे हैं। बावजूद इसके, संबंधित विभागों की लापरवाही थमने का नाम नहीं ले रही। फिलहाल सवाल यही है कि क्या प्रशासन किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है, या फिर जनता की सुरक्षा को गंभीरता से लेते हुए इस सड़क का स्थायी समाधान निकालेगा।

स्थानीय लोगों के अनुसार, यह सड़क पिछले करीब पांच वर्षों से जर्जर हालत में है। सड़क का निर्माण तारकोल से किया गया था, लेकिन समय पर मरम्मत और रखरखाव न होने के कारण अब यह पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। कई स्थानों पर गड्ढे इतने गहरे हैं कि बारिश के मौसम में उनमें पानी भर जाता है और सड़क व गड्ढे में अंतर करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

» *स्कूल बसों, एम्बुलेंस, और भारी वाहनों का है यही मुख्य रास्ता*

» *रोजाना चंडीगढ़ तक के गुजरते हैं पांच हजार से अधिक वाहन*

» *मरम्मत का आश्वासन देते रहते हैं अधिकारी, धरातल पर समाधान नहीं*

यहां आए दिन हादसों का शिकार बन रहे राहगीर

शहर की 60 प्रतिशत बाहरी सड़कों के ऐसे ही हालात

केवल मरम्मत का आश्वासन

स्थानीय निवासियों का कहना है कि प्रशासन के अधिकारी समय-समय पर निरीक्षण तो करते हैं, लेकिन हर बार केवल मरम्मत का आश्वासन देकर चले जाते हैं। कभी-कभार गड्ढों में मिट्टी या तारकोल डालकर अस्थायी मरम्मत कर दी जाती है, जो कुछ ही दिनों में उखड़ जाती है। इससे समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा।

कई दोपहिया वाहन चालक हो रहे घायल

एक स्थानीय दुकानदार ने बताया, हर दिन यहां कोई न कोई हादसा होता है। कई बार बाइक सवार गिरकर घायल हो चुके हैं। स्कूल बसों के झटके खाने से बच्चों की जान भी खतरे में रहती है, लेकिन अधिकारियों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। कई लोगों की यहां जान भी जा चुकी है।

एम्बुलेंस भी हो रही प्रभावित

एम्बुलेंस चालकों का कहना है कि खराब सड़क के कारण मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में देरी होती है। कई बार गड्ढों से बचने के चक्कर में एम्बुलेंस को धीमी गति से चलाना पड़ता है, जिससे कीमती समय नष्ट होता है। यह स्थिति किसी भी समय गंभीर परिणाम ला सकती है।

उचित रखरखाव के अभाव में टूट रही सड़कें

यह समस्या केवल इसी सड़क तक सीमित नहीं है। शहर की लगभग 60 प्रतिशत बाहरी सड़कों की हालत भी इसी तरह खराब है। लगातार बढ़ते यातायात और उचित रखरखाव के अभाव में सड़कें टूट रही हैं। लोगों ने प्रशासन से नई सड़क निर्माण की मांग तेज कर दी है। उनका कहना है कि अस्थायी मरम्मत के बजाय इस मार्ग का पूर्ण रूप से पुनर्निर्माण किया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में दुर्घटनाओं पर रोक लग सके।

सनसिटी, बोहर, खरखौदा, सोनीपत, पीजीआई को जोड़ने वाला रास्ता

■ पांच साल से टूटी पड़ी सड़क, कभी कभार होती मरम्मत

इस मार्ग से प्रतिदिन पांच हजार से अधिक वाहन गुजरते हैं। यह सड़क न केवल शहर को नए बस अड्डे से जोड़ती है, बल्कि स्कूल बसों, एम्बुलेंस, मालवाहक वाहनों और अन्य भारी वाहनों का भी प्रमुख रास्ता है। नया बस अड्डा से गोहाना, पानीपत, चंडीगढ़, जींद, जाने वाले वाहन इसी मार्ग से गुजरते हैं। इसके अलावा वीटा प्लांट की तरफ से आने वाले राहगीर यहां से सनसिटी, बोहर, खरखौदा, सोनीपत, पीजीआई और शहर की तरफ आते हैं। भाजपा मंगल कार्यालय और सुपवा यूनिवर्सिटी इसी मार्ग पर है। यह रोड लाढ़ौत और शहर के एरिया को भी जोड़ता है। जहां कई कॉलेज और स्कूल हैं।

नलों से निकल रहा कोला

माल गोदाम रोड पर साफ पेयजल को तरसे लोग

मेरा शहर मेरी समस्या — माल गोदाम रोड (हरिभूमि पहल)

- समस्या का समाधान नहीं करवा पा रहा जन स्वास्थ्य विभाग
- 30 साल पुरानी पाइप लाइन हो चुकी जर्जर, बदलने की दरकार

रोहतक। शहर के माल गोदाम रोड क्षेत्र में पेयजल की गंभीर समस्या सामने आ रही है। यहां बीते कई वर्षों से नलों से साफ पानी के बजाय कोला जैसे काले रंग का दूषित पानी आ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस समस्या की शिकायतें जन स्वास्थ्य विभाग को कई बार दी गईं, लेकिन आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। अधिकारी आश्वासन देते हैं कि समस्या का समाधान करेंगे लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा है। क्षेत्रवासियों के अनुसार, लगभग 30 साल पुरानी पाइपलाइन के कारण यह समस्या लगातार बनी हुई है। जर्जर हो चुकी पाइपलाइन से गंदगी और जंग मिला पानी सप्लाई में आ रहा है, जिससे लोगों को पीने का साफ पानी तक नसीब नहीं हो रहा। मजबूरी में लोगों को बाजार से पानी खरीदकर पीना पड़ रहा है, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी बढ़ गया है।

कभी-कभी ठीक आता है पानी, फिर हो जाती समस्या

खरीद कर पीना पड़ रहा पानी, स्वास्थ्य पर पड़ रहा बुरा असर

नियमित रूप से भर रहे बिल

लोगों का कहना है कि वे नियमित रूप से पानी के बिल भर रहे हैं, लेकिन बदले में उन्हें दूषित पानी मिल रहा है। इससे जन स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि माल गोदाम रोड क्षेत्र में नई पाइपलाइन बिछाई जाए ताकि भविष्य में इस तरह की समस्या दोबारा न हो।

न पीने लायक व न ही इस्तेमाल करने योग्य

नलों से निकलने वाला पानी इतना गंदा होता है कि न तो पीने लायक है और न ही घरेलू इस्तेमाल के योग्य। कई बार पानी में बदबू भी आती है। बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर इसका बुरा असर पड़ रहा है। पेट से जुड़ी बीमारियां और त्वचा रोग आम हो गए हैं। - सचिन

समस्या बेहद चिंताजनक, समाधान नहीं हुआ तो बीमार पड़ जाएंगे

आज के समय में जब सरकार स्वच्छ भारत और हर घर जल की बात कर रही है, तब शहर के बीचों बीच इस तरह की समस्या बेहद चिंताजनक है। यदि जल्द समाधान नहीं किया गया तो लोग बीमार पड़ जाएंगे। - रमेश तायल

जमीनी स्तर पर नहीं होती ठोस कार्रवाई पुरानी पाइप लाइन को तुरंत बदला जाए

जन स्वास्थ्य विभाग केवल आश्वासन देता है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। क्षेत्र की पुरानी पाइपलाइन को तुरंत बदला जाए, ताकि लोगों को स्वच्छ पेयजल मिल सके। यदि ऐसा नहीं होता है तो यह स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। -अमन महमिया

कुछ दिन समस्या ठीक फिर वही हालात बने

गंदे पानी की समस्या बीच-बीच में कुछ दिनों के लिए ठीक हो जाती है, लेकिन फिर वही हालात बन जाते हैं। जब भी विभाग में शिकायत करते हैं तो अस्थायी रूप से पानी की सप्लाई ठीक कर दी जाती है, लेकिन कुछ समय बाद फिर से गंदा पानी आने लगता है। - संदीप गर्ग

मेरा शहर, मेरी समस्या कॉलम के जरिये आप भी रखें अपनी बात। अगर सेक्टर, गली-मोहल्ला, वार्ड, गांव और आसपास हैं समस्याओं से परेशान तो इस नंबर 9253681012 पर करें व्हाट्सएप। हम उठाएंगे आपका मुद्दा।

गोशाला पहरावर के वार्षिक उत्सव में विष्णुदत्त ने सेठ ताराचंद सांग का दूसरा भाग किया प्रस्तुत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अखिल भारतीय गौशाला पहरावर में वार्षिक उत्सव का शुभारंभ धार्मिक और सांस्कृतिक माहौल के बीच किया गया। कार्यक्रम के दौरान सांग का उद्घाटन करते हुए नितिन कौशिक बोहर ने 1,67,700 रुपये, मास्टर रामराज पहरावर, मास्टर रामदिया शर्मा और रामनिवास गौड़ ने 1-1,11,000 रुपये गौसेवा के लिए दान स्वरूप भेंट किए। गौशाला के प्रधान नरेश शर्मा ने बताया कि पहले दिन कुल 6,20,000 रुपये का दान प्राप्त हुआ, जबकि 4 से 7 फरवरी तक कुल दान राशि 37,70,000 रुपये तक पहुंच चुकी है। कार्यक्रम के तहत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन भी किया गया। कलाकार विष्णुदत्त ने 'सेठ ताराचंद' सांग का दूसरा भाग प्रस्तुत किया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। आयोजन में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए गौसेवा के लिए सहयोग दिया।

पुराना बस स्टैंड के पास वर्षा शलिका का किया उद्घाटन

रोहतक। नगर निगम द्वारा निगम क्षेत्र में काफी विकास कार्य करवाए जा रहे है। शनिवार को वार्ड सदस्य ज्योति की उपस्थिति में पुराना बस स्टैंड के पास निर्मित वर्षा शालिका का उद्घाटन मेयर रामअवतार बाल्मिकी ने नारियल तोड़कर आमजन के लिए समर्पित की गई। इसके निर्माण में लगभग 5 लाख रुपये की राशि व्यय की गई है। उन्होने शहर में बरसात के मौसम के दौरान आमजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अर्थात बरसात के दौरान अचानक तेज वर्षा होने की स्थिति में आमजन, राहगीर, दुकानदार तथा आने-जाने वाले यात्रियों को सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर निगम, द्वारा वर्षा शालिका का निर्माण करवाया गया है।

बिना पूर्व सूचना जिला बार परिसर पहुंचे इंस्पेक्टिंग जज जस्टिस विकास सूरी, तैयारियों का लिया जायजा

रोहतक। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत के 14 फरवरी को प्रस्तावित रोहतक दौरे को लेकर न्यायिक व प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में शनिवार को रोहतक के इंस्पेक्टिंग जज जस्टिस विकास सूरी ने बिना किसी पूर्व सूचना के जिला न्यायालय व बार परिसर का औचक निरीक्षण किया। उनके अचानक पहुंचने की जानकारी पहले न तो प्रशासनिक अधिकारियों को थी और न ही न्यायिक अधिकारियों या बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों को। निरीक्षण के दौरान जस्टिस सूरी ने चौ. रणबीर सिंह हाल, पार्किंग परिसर, लिटिगेंट हाल, तीन नंबर गेट से प्रवेश व्यवस्था सहित अन्य सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया।

खबर संक्षेप

अप्रेंटिसशिप मेला कल

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेंटिसशिप मेला (पीएमएनएएम) का आयोजन 9 फरवरी को प्रातः 9:30 बजे सैनिक परिवार भवन, तहसील परिसर के निकट, राजकीय आईटीआई में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अप्रेंटिसशिप मेले का उद्देश्य युवाओं को विभिन्न औद्योगिक व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में प्रशिक्षण एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

महाशिवरात्रि महोत्सव महम में 12 को

महम। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की महम शाखा द्वारा वीरवार 12 फरवरी को सुबह 10:30 बजे महाशिवरात्रि महोत्सव मनाया जाएगा। शाखा सहसंचालिका बीके सुमन ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता सेंटर संचालिका बीके चेतना करेंगी। मुख्य वक्ता चित्रकुट सतना के आचार्य स्वामी परमानंद महाराज होंगे।

रोडवेज कर्मियों ने राष्ट्रीय हड़ताल की तैयारी तेज की

रोहतक। हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन (सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा से संबद्ध) ने 12 फरवरी 2026 को प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल बनाने के लिए रोहतक डिपो में गेट मीटिंग आयोजित की। यूनियन नेताओं के रोहतक पहुंचने पर कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया।

350 रोगियों की जांच की

रोहतक। जन सेवा संस्थानकी ओर से भिवानी रोड स्थित वृद्ध आश्रम में संस्थान अध्यक्ष महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी परमानन्द महाराज के सानिध्य में दीप प्रज्वलित करके निशुल्क नेत्र जाँच एवं आपरेशन शिविर लगाया गया । इस कैम्प में डॉ. नीरज दुआ की ओर से 350 रोगियों की जांच की गई व दवाई प्रदान की गई ।

इंडस पब्लिक स्कूल में सत्र 2025-26 की कक्षा 12वीं के छात्रों के लिए विदाई समारोह

रोहतक। इंडस पब्लिक स्कूल में शनिवार को कक्षा 12वीं के छात्रों के लिए एक विदाई समारोह आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया। इस अवसर पर स्कूल के प्रिय छात्रों को विदाई दी, जिन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान विद्यालय में एक अमिट छाप छोड़ी है। कक्षा 11वीं के छात्रों द्वारा आयोजित इस समारोह की शुरुआत एक मधुर प्रार्थना और हवन से हुई, जिसने पूरे समारोह के लिए एक भावपूर्ण माहौल तैयार किया। प्रधानाचार्य दीपक विशिष्ट ने अपने संबोधन में छात्रों को उनकी भविष्य की योजनाओं के लिए प्रेरित किया और उन्हें अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया। कक्षा 12वीं के छात्रों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार दिए गए, जिनमें मोस्ट लाइकली टू सक्सीड, मोस्ट कॉन्फिडेंट, मोस्ट डिसिप्लिन , मिस और मिस्टर इंडस ,बेस्ट ऑल-राउंडर, क्रिएटिव ,जीनियस और आउटस्टैंडिंग अचिवमेंट शामिल हैं। साथ ही, कक्षा 12वीं के छात्रों ने अपने शिक्षकों को भी सम्मानित किया और उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए। प्रधानाचार्य ने कहा कि हम कक्षा बारहवीं के छात्रों पर गर्व महसूस करते हैं, हमारा विश्वास है कि आप अपने सपनों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ेंगे और अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे।

निगम क्षेत्र में चलाया गया विशेष सफाई अभियान

रोहतक। शहर में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा नगर निगम क्षेत्र में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत निगम की विभिन्न टीमों को सेक्टर क्षेत्रों, मुख्य सड़कों, बाजारों, चौराहों एवं सार्वजनिक स्थलों पर सफाई कार्य कराया गया। जिस दौरान सड़कों के किनारे जमा कचरा, मिट्टी, पालीथीन एवं अन्य अपशिष्ट हटाया गया। निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि सफाई शाखा की टीम को निर्देश दिए गए थे कि रोड़ स्वीपिंग का कार्य आरंभ हो चुका है तथा इसलिए सफाई कार्य का निरंतर निरीक्षण करें तथा सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करें। निगम की टीम ने शहर में सफाई कार्य का निरीक्षण किया गया। शहर से कूड़े के ढेरो की संख्या को कम करने के लिए भी योजना तैयार की जा चुकी है।

अब गंदगी फैलाने वालो पर होगी सख्त कार्रवाई

पंचायती जमीन के पक्के कब्जेधारियों को मिलेगा मालिकाना हक

रोहतक। हरियाणा में पंचायती जमीन पर कब्जा करने वालों के लिए सरकार की योजना है। जिसके तहत पंचायती जमीन पर कब्जा कर बैठे लोगों को मालिकाना हक दिया जाएगा। सरकार ने 31 मार्च 2004 से पहले शामलात (पंचायत) भूमि पर बने 500 वर्ग गज तक के आवासीय मकानों को नियमित करने (मालिकाना हक देने) का निर्णय लिया है। इस योजना के तहत पात्र ग्रामीण ग्राम पंचायत की मदद से कलेक्टर रेट पर भूमि खरीदकर मालिकाना हक प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए संबंधित पंचायत या उपायुक्त कार्यालय में आवेदन करना होगा। फिरनी (गांव की फिरनी सड़क), तालाब, चारागाह, श्मशान/कब्रिस्तान और स्कूल जैसी सार्वजनिक उपयोग की प्रतिबंधित जमीनों पर अवैध कब्जे के बावजूद मालिकाना हक नहीं मिलेगा। सरकार या पंचायत ऐसी भूमि को किसी भी अवैध कब्जे/हस्तांतरण से मुक्त कराने के लिए सक्षम है, भले ही उस पर वर्षों पुराना निर्माण क्यों न हो।

काला पीलिया के खिलाफ जागरुक करने के लिए निकाली साइकिल रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सिविल सर्जन ऑफिस के हेल्थ वर्कर मुकेश कुमार ने पीजीआईएमएस के गैस्ट्रो एंट्रोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ प्रवीण मल्होत्रा साथ मिलकर काले पीलिये के खिलाफ जागरुक करने के लिए अलख जगा दी है। उन्होंने शनिवार को साइकिल रैली से इस कड़ी की शुरुआत की। मुकेश ने बताया कि अब तक विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर साइकिल रैली निकालते हैं और अब तक एक लाख किलोमीटर से ऊपर साइकिल रैली निकाल चुके हैं। उन्होंने बताया कि वह काले पीलिया के लिए डॉ प्रवीण मल्होत्रा के प्रयासों से बहुत प्रभावित है और जनमानस में इससे जुड़े हुए होने के कारण काले पीलिये की जागरूकता अभियान को पूरे रोहतक ही नहीं पूरे हरियाणा में फैलाएंगे। उन्होंने बताया कि इस कड़ी के पहले चरण में आज रोहतक से राजस्थान तक 300 किलोमीटर की जागरूकता रैली निकाली गई तथा बारी बारी पूरे हरियाणा के हर जिले में रैली निकाल कर जागृति फैलाएंगे।

गंभीर मुद्दा -: खुली पटरियां दे रही हादसों को न्योता :- : 80 किमी की रफ्तार से दौड़ रही ट्रेनें :-

रोहतक रेल रूट पर सुरक्षा इंतजामों पर उठ रहे सवाल

■ स्टेशन पार करते ही फेंसिंग गायब, ट्रेनों की जद में कई बार आ चुका लावारिस गोवंश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रेलवे स्टेशन पार करते ही पटरियों पर सुरक्षा व्यवस्था लगभग नदारद नजर आती है, जबकि इसी रूट पर ट्रेनों की रफ्तार अचानक बढ़ जाती है। रोहतक से गोहाना तक जहां ट्रेनों की गति करीब 80 किलोमीटर प्रति घंटा रहती है, वहीं इसके आगे रफ्तार और तेज हो जाती है। इसी लाइन से चंडीगढ़, कटरा सहित कई लंबी दूरी की एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनें गुजरती हैं। इसके बावजूद स्टेशन क्षेत्र से बाहर पटरियों के किनारे ऐसे पुख्ता इंतजाम नहीं हैं, जो आवारा पशुओं या अनधिकृत लोगों को ट्रैक पर आने से रोक सकें। भारतीय रेलवे के नियमों के अनुसार, स्टेशन यार्ड और आबादी वाले क्षेत्रों के बाद ट्रैक की सुरक्षा के लिए फेंसिंग, बैरिकेडिंग और अन्य संरचनात्मक उपाय किए जाने चाहिए। अधिकांश स्थानों पर रेलवे पटरियों के दोनों ओर आरसीसी के खंभे या लोहे के पोल लगाकर उनके बीच तार या जाली लगाई जाती है, ताकि कोई भी आवारा पशु, खासकर गाय-बैल, ट्रैक पर न आ सके। यह व्यवस्था न केवल पशुओं की सुरक्षा के लिए है, बल्कि यात्रियों की जान बचाने के लिहाज से भी बेहद जरूरी मानी जाती है। रेलवे मैनुअल के मुताबिक, जहां ट्रेनों की गति अधिक होती है और आसपास खेत या खुली जमीन होती है, वहां फेंसिंग अनिवार्य मानी जाती है। इसके साथ ही ऐसे क्षेत्रों में कैटल गार्ड या अंडरपास बनाने का भी प्रावधान है, ताकि पशु सुरक्षित तरीके से एक तरफ से दूसरी तरफ जा सकें और पटरियों पर न आएं। कई राज्यों में इस व्यवस्था को लागू किया गया है, लेकिन रोहतक रेल रूट पर यह इंतजाम अभी तक दिखाई नहीं देते।

ट्रैक की सुरक्षा रेलवे प्रशासन की

रेलवे नियम यह भी स्पष्ट करते हैं कि ट्रैक की सुरक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी रेलवे प्रशासन की होती है। वहीं, बेसहारा पशुओं के प्रबंधन की जिम्मेदारी स्थानीय प्रशासन और नगर निगम की भी है।

लावारिस गोवंशों की मौत के मामले आ चुके

हाल के समय में तीन ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें बेसहारा बैल और गाय ट्रेन की चपेट में आकर मर गए। कुछ घटनाओं में पशु गंभीर रूप से घायल भी हुए। स्थानीय लोगों का कहना है कि रेलवे लाइन के आसपास खेत होने के कारण गोवंश अक्सर चारे की तलाश में पटरियों तक पहुंच जाता है। चूंकि पटरियों के किनारे कोई फेंसिंग या अवरोध नहीं है, इसलिए पशु आसानी से ट्रैक पर आ जाते हैं और तेज रफ्तार ट्रेनों की चपेट में आकर हादसे का शिकार हो जाते हैं।

बड़ा और लंबा रेल रूट

इस रूट पर लंबी दूरी की ट्रेनें गुजरती हैं, वहां स्टेशन के बाद भी पटरियों के दोनों ओर मजबूत फेंसिंग लगाई जानी चाहिए। यहां से चंडीगढ़, अमृतसर, कटरा समेत अन्य ट्रेनें गुजरती है।

रेलवे सुरक्षा को लेकर पूरी तरह सतर्क

गौवंश वाला मामला भी सुनने में आया था। जब हादसा होता है तो पायलट स्टेशन पर सूचना देते है। लेकिन स्टेशन पर करने के आगे तक भी एरिया कवर किया हुआ है। आगे का इस मामले में कुछ नहीं कह सकते। बाकि काम भी चला हुआ है, रेलवे प्रशासन यात्रियों की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह सतर्क रहता है।
-बलराम मीणा, अधीक्षक, रेलवे स्टेशन

आवरण कथा / सरस्वती रमेश

कई सदी पहले कबीर ने कहा था, 'ढाई आखर प्रेम का पढ़े सो पंडित होय।' वास्तव में यह शब्द और इसमें निहित मनोभाव इतना गहन, इतना विराट है कि जिसकी थाह आज तक कोई नहीं लगा पाया। लेकिन जो भी इस सुंदरतम भाव को अपने मन में संजोता है, उसका जीवन आनंद से भर उठता है। इसकी पराकाष्ठा में वह स्वयं विलीन होकर भी सब कुछ प्राप्त करने की अनुभूति करने लगता है। यही वजह है कि व्यष्टि से जन्मा प्रेम समष्टि से एकाकार हो जाता है।

जीवन का गहनतम सुंदरतम मनोभाव प्रेम

यह सही है कि बीते कई वर्षों से वैलेंटाइन-डे का क्रेज इतना बढ़ गया है कि इस वजह से पूरे फरवरी को प्रेम का महीना माना जाने लगा है। इसकी आहट के साथ ही बाजार, प्रेम के प्रतीकों से सज जाते हैं। उपहार और गुलाबों की भरमार हर ओर दिखाई पड़ने लगती है। सवाल है, क्या वास्तव में प्रेम का उपहार और बाजार से कोई लेना-देना होता है? सदियों पहले कबीर दास जी कह गए हैं-

प्रेम न बाड़ी उपजे, प्रेम न हाट बिकाई।
राजा परजा जेहि रुचे, सीस देहि ले जाई।।

वे कह गए हैं कि प्रेम का बाजार से कोई लेना-देना नहीं होता है। सच्चा प्रेम न तो खेत में और न ही भौतिक वस्तुओं से उपजता है। प्रेम तो आत्म बलिदान मांगता है। प्रेम एक सघन-गहन भावना है। इसकी खरीदी-बिक्री नहीं हो सकती। इसकी तो बस अनुभूति की जा सकती है, हृदय के गहनतम अंतःस्थल में। बाजार सिर्फ छलावा और दिखावा को पोषित करता है, प्रेम को नहीं।

गहन-असीमित है प्रेम में निहित भाव

प्रेम की संकल्पना इतनी विस्तृत और गहन होती है कि इसे किसी भाषा में मुकम्मल रूप में व्यक्त कर पाना संभव ही नहीं है। ढाई अक्षर के प्रेम शब्द की व्याख्या करने बैठो तो समुद्र की सीमाएं कम पड़ जाएं, आकाश का विस्तार बौना जान पड़े। प्रेम का स्वरूप असीम है। प्रेम की संकल्पना जितनी सरल लगती है, उतनी गूढ़ भी है। गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर, प्रेम को एक अबूझ रहस्य कहते थे, क्योंकि इसे समझाने का कोई जरिया नहीं है। इसे तो वही समझ सकता है, जिसने स्वयं प्रेम किया हो। प्रेम में आत्म का बलिदान किया हो। जैसे राधा ने किया, मीरा ने किया। राधा-कृष्ण के प्रेम के गूढ़ रहस्य की व्याख्या सबने अपने-अपने तरीके से की है। युगों पहले दोनों वृंदावन की गलियों में शरीर रूप में उपस्थित रहे, पर वास्तव में दोनों का प्रेम आलौकिक, अशरीरी रहा। इसमें ना मिलन की चाह थी, ना सदैव साथ रहने की कोई इच्छा। सिर्फ स्वीकार्य भाव। कृष्ण का राधा के प्रति। राधा का कृष्ण के प्रति। राधा जानती थीं कि श्रीकृष्ण अपने कर्तव्य से बंधे हुए हैं। इसीलिए उनका प्रेम कृष्ण के पथ का कभी रुकावट नहीं बना। उनका प्रेम तो आत्मा के देवालय में प्रज्ज्वलित दीपक समान शाश्वत है। हर वक्त, हर परिस्थिति में दिपदिपा रहा है। श्रीकृष्ण के साथ रहते हुए भी और कृष्ण से दूर रहकर भी। इसकी दीप्ति में कोई कमी नहीं आती। असल में प्रेम वही है, जिसमें कोई चाह ना हो। कोई शर्त ना हो। जहां चाहना और शर्तें आईं, वहीं प्रेम व्यापार हो गया। 'तुम मुझे प्रेम करो, क्योंकि मैं तुमको प्रेम करता हूं।' जहां यह भाव आता है, वहां प्रेम सौदा बन जाता है। उसका सौंदर्य मलिन हो जाता है। प्रेम तो प्रियतम की आत्मा का विस्तार है, जिसमें अंत में प्रियतमा को भी विलीन हो जाना है। जैसे गोपियां श्रीकृष्ण के प्रेम में विलीन हो गईं। जैसे हीर, रांझा के प्रेम में विलीन हो गई। *'रांझा-रांझा करदी वे, मैं आपे रांझा होई।'*

प्रेम में चालाकी नहीं चलती

प्राचीन काल से भारतीय संस्कृति के कण-कण में प्रेम रचा बसा हुआ है। प्रेम को सबसे पवित्र भावना माना गया है। प्रेम के बल पर ईश्वर को भी जीता जा सकता है। लेकिन प्रेम में चालाकी का कोई स्थान नहीं। प्रेम, स्वार्थ, गणना और छल से परे एक पवित्र भाव है। जहां चालाकी आ जाती है, वहां विश्वास का क्षय होता है और प्रेम व्यापार बन जाता है। सच्चा प्रेम न तो लाभ देखता है, न ही हानि। वह निःस्वार्थ, निष्कपट और समर्पित होता है। चालाक व्यक्ति प्रेम को अपने हित के लिए साधन मानता है, जबकि प्रेम स्वयं में साध्य है। इसलिए प्रेम तभी शुद्ध, दीर्घकालिक और स्थायी रह सकता है, जब उसमें ईमानदारी, पारदर्शिता और सच्चाई हो। घनानंद कह गए हैं-

अति सूधो सनेह को मारग है,
जहां नेकु सयानप बांक नहीं।

प्रेम से उपजते हैं जीवन मूल्य

प्रेम हमारे जीवन का सबसे उदात्त और शाश्वत मूल्य है। यह जीवन का मूल आधार है। मनुष्य को मनुष्य बनाए रखने के लिए कुछ जीवन मूल्यों की आवश्यकता होती है। ये जीवन मूल्य प्रेम से ही उपजते हैं। प्रेम कठिन परिस्थितियों में भी जीवित रहने की शक्ति देता है। जीवन के महानतम उद्देश्य भी प्रेम के अभाव में अधूरे व निरर्थक सिद्ध होते हैं। प्रेम वह रोशनी है, जो जीवन को अर्थ व दिशा प्रदान करता है। देखा जाए तो सृष्टि के कण-कण में प्रेम समाहित है। सुबह की लालिमा, बारिश की रिमझिम बूंदें, वासंती हवाएं, फूलों में बसी सुगंध और नदियों के कल कल निर्मल प्रवाह के जरिए प्रकृति हर ओर प्रेम का संदेश प्रवाहित करती है। प्रेम वह शक्ति है, जिससे यह सृष्टि परिचालित होती है, जिसने अब तक मनुष्यता को बचा कर रखा है।

कम न हो प्रेम की महत्ता

जीवन में प्रेम का महत्व एक गहन सत्य है। प्रेम का कोई स्थानापन्न नहीं है। पूरा ब्रह्मांड प्रेम की असीम ऊर्जा व अदृश्य डोर से बंधा हुआ है। लेकिन बीते कुछ दशक से प्रेम के मूलाधार में कुछ अशक्तता आई है। विश्वास, करुणा, बलिदान, समर्पण जैसे भावों में संकुचन दिखलाई पड़ा है। नित्यप्रति एकाकी होती व स्व में सिमटती जा रही दुनिया के लिए प्रेम के विस्तार को जानना, समझना आज और भी आवश्यक हो गया है। *

विज्ञान की नजर में प्रेम

प्रेम, दुनिया की सबसे कोमल लेकिन सबसे शक्तिशाली भावना भी है। एक खूबसूरत पर जीवन का रूपांतरण करने वाला अहसास है प्रेम। इस अहसास को विज्ञान अपने नजरिए से व्याख्यायित करता है। विज्ञान कहता है कि हमारे हृदय में प्रेम की चिंगारी जलाने के लिए डोपामाइन हार्मोन जिम्मेदार है। जब हम किसी के प्रति अपनापन महसूस करते हैं, उससे गले मिलते हैं तो हमारे शरीर में ऑक्सीटोसिन नामक हार्मोन भी निकलता है। वहीं दिल की धड़कन बढ़ने पर एड्रेनेलिन नामक हार्मोन निकलता है। इन हार्मोन्स के अधिक मात्रा में निकलने के कारण व्यक्ति को विपरीत लिंग के प्रति आकर्षण या अपनेपन की भावना महसूस होती है। यही हार्मोंस दिमाग में प्यार का अनुभव कराते हैं। हालांकि मनोवैज्ञानिक यह मानते हैं कि प्रेम को सिर्फ हार्मोन के जरिए समझना आसान नहीं है, क्योंकि प्रेम में जितनी इनकी भूमिका होती है, उतनी ही आपसी समझ, देखभाल, त्याग, भरोसा और भावनात्मक लगाव की भी भूमिका होती है। हार्मोन का काम तो कुछ देरी का होता है। लेकिन भावनाएं लंबे समय तक काम करती हैं और एक-दूसरे से जोड़कर रखती हैं। जिस तरह शरीर के लिए भोजन, पानी और गतिशीलता की जरूरत होती है, ठीक वैसे ही मस्तिष्क के लिए प्रेम की।

शोर कम-समझ ज्यादा बदल रहे प्यार के मायने

भले ही एक वर्ग के लिए वैलेंटाइन-डे प्रेम के इजहार और उल्लास का पर्व है। लेकिन युवाओं में ही एक वर्ग ऐसा भी है, जो प्यार के इस उत्सव को भी सहजता से मनाता है। उनके लिए प्रेम, दिखावा नहीं साझेदारी और समझदारी का रिश्ता बन चुका है।

नया दौर / डॉ. अनिता राठौर

सुबह के 7 बजे हैं। एक छोटे से फ्लैट में दो लोग रोज की तरह अपने अपने लैपटॉप खोलकर दिन की शुरुआत करने लगते हैं। जबकि उस दिन 14 फरवरी है यानी, प्रेम का दिन, वैलेंटाइन-डे। लेकिन आस-पास न कहीं गुलाब है, न कोई मोमबत्ती है और न आपस में कोई फिल्मी डायलॉग बोले जाते हैं। हां, टेबल पर रखी दो कप चाय और एक-दूसरे की तरफ बढ़ा हुआ हल्का-सा मुस्कुराता चेहरा। आप भले न यकीन करें, लेकिन सच है कि परिपक्व सोच रखने वाले बहुत से युवा युगलों का प्यार, शांत-सजग-व्यावहारिक और भरोसे से भरा हुआ हो चुका है। आज का प्यार, दो दशक पहले जैसा नहीं रहा। यानी, एक वर्ग के लिए प्रेम ने अपना रूप बदला है। लेकिन गहराई नहीं खोई। प्रेम अब दिखावे से निकलकर समझदारी, व्यावहारिकता और लाइफस्टाइल के संग आ गया है। इसमें मानसिक सुरक्षा भी पहले से कहीं ज्यादा शामिल हो चुकी है।

अब भावना नहीं साझेदारी

आज की समझदार पीढ़ी के पास प्यार को सिर्फ फीलिंग के रूप में देखने की न तो जरूरत है और न ही इतनी फुर्सत। उनके लिए प्यार, साझेदारी का नाम है। जीवन की जिम्मेदारियों का नाम है। मिलकर उठाई जाने वाली जिम्मेदारियां। इसलिए आज के कपल मिलकर करियर की योजना बनाते हैं। खर्च और बचत पर खुलकर बात करते हैं। घरेलू और बाहरी जिम्मेदारियों को ईमानदारी से बांटना स्वीकार करते हैं और मुश्किल समय में एक-दूसरे का सहारा बनते हैं। आज के समय में, 'तुम मुझसे कितना प्यार करते हो?' से ज्यादा यह अहम हो गया है, 'हम एक-दूसरे के लिए कितने भरोसेमंद हैं?'

स्पष्टता है सबसे बड़ी खूबी

आज कपल्स के प्यार में जितनी स्पष्टता है, इतनी पहले कभी नहीं रही और यही आज के प्यार की सबसे बड़ी खूबी है। कपल अब यह कहने से नहीं डरते कि वो चाहते क्या हैं और साफ-साफ बताते हैं कि वो क्या नहीं चाहते? मसलन- उन्हें शादी करनी है या नहीं। बच्चे चाहिए या नहीं। एक-दूसरे के लिए कितना स्पेस चाहिए और सबसे बड़ी बात यह है कि वो किस तरह का जीवन जीना चाहते हैं? याद रखिए, यह स्पष्टता रिश्तों को तोड़ती नहीं है बल्कि ज्यादा मजबूत बनाती है, क्योंकि भ्रम पर टिके रिश्ते बहुत जल्दी थक जाते हैं और सच्चाई के सहारे आगे बढ़ने वाले रिश्ते दूर तक जाते हैं।

अब प्यार का हिस्सा है मेंटल हेल्थ

आज के युवा इस बात को भली-भांति जानते हैं कि उनका मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि शारीरिक। इसलिए अब पार्टनर्स एक-दूसरे की थकान को समझते हैं। एंग्जाइटी और तनाव पर बिना झिझक खुलकर बात करते हैं और जरूरत पड़ी तो प्रोफेशनल्स की मदद लेने से न झिझकते, न कतराते हैं।

आज के युवा एक-दूसरे से बड़ी सहजता से कहते हैं, आज मेरा मन ठीक नहीं है। क्योंकि वो जानते हैं कि उनके इस वाक्य को गलत शब्द और संदर्भ में नहीं लिया जाएगा। पुरानी पीढ़ी के लोग भले टेक्नोलॉजी को कितना कोसते हों, लेकिन युवाओं के लिए टेक्नोलॉजी अलगाव का नहीं जुड़ाव का माध्यम है। भले पुरानी पीढ़ी के लोग मानते हों कि मोबाइल और इंटरनेट रिश्तों का दुश्मन है। लेकिन आज के दौर में प्यार करने वाले युवा इस बात से कतई सहमत नहीं हैं। इसलिए वो वीडियो कॉल के साथ भी खाना खाते हैं। एक-दूसरे को वॉयस नोट्स भेजते हैं, उनकी प्लेलिस्ट साझा होती है और हां, ऑनलाइन कैलेंडर में डेट-नाइट भी फिक्स करते हैं। उनके लिए टेक्नोलॉजी केवल टाइम पास का जरिया नहीं दिलों की दूरी कम करने के नए रास्ते भी खोलती है।

बराबरी है रिश्तों की बुनियाद

आज के प्रोफेशनल युवा यह मानते हैं कि रिश्ता मालिकाना हक नहीं बराबरी का संबंध है, इसलिए बिना झिझक और बिना किसी हैंगओवर के घरेलू काम दोनों मिलकर करते हैं। सारे फैसले मिलकर लेते हैं। एक-दूसरे के करियर को बराबर का सम्मान देते हैं। आज के युवाओं के बीच 70 के दशक की फिल्मों के यह डायलॉग शायद ही कहीं सुनने को मिलते हों, 'मैं तुम्हारे बिना कुछ नहीं हूं।' बल्कि इसकी जगह आज यह डायलॉग आम है, 'मैं तुम्हारे साथ और बेहतर बनता-बनती हूं।' आज के प्यार की मजबूती सेल्फ लव है, क्योंकि अब नई पीढ़ी को यह बात बहुत अच्छी तरह से समझ में आती है कि खुद से प्यार करना स्वार्थ नहीं, प्यार की समझ होना है। इसलिए आज के युवा अपने शौक के लिए समय निकालते हैं, अपने रिश्तों की सीमाएं तय करते हैं और हर वक्त उपलब्ध रहने की मजबूरी से दूर रहते हैं। क्योंकि जब कोई खुद संतुलित होता है, तभी किसी रिश्ते में स्वस्थ योगदान दे पाता है।

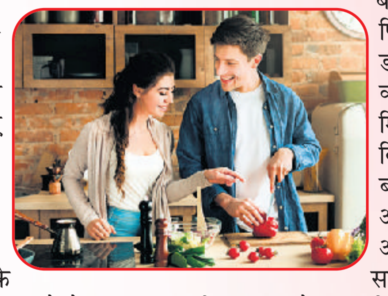

लब्बोलुआब यह कि आज वैलेंटाइन-डे केवल गिफ्ट्स एक्सचेंज का दिन नहीं रहा। यह समझदारी भरी बातचीत का दिन है, यह एक-दूसरे को ध्यान से सुनने का दिन है, यह भविष्य की योजनाएं साझा करने का दिन है और यह आभार जताने का भी दिन है। आज के युवा इस दिन साथ बैठकर एक-दूसरे के लिए प्यार और मनुहार के गीत नहीं गाते, अपने साझा लक्ष्य तय करते हैं। फाइनेंशियल प्लानिंग बनाते हैं, क्योंकि प्यार की नई भाषा और नई परिभाषा यही है। *

कविता / आरती आस्था

प्रेमानुभूति

मुझे नहीं आता
करना प्रेम
बांधकर इसे सीमाओं में
सच कहूं तो
करने-कराने जैसी शय भी
लगी नहीं मुझे कभी प्रेम
प्रेम तो नाम है बिखरने का
खुद को बिखराने का
कितना भी बिखरो इसमें
बिखराओ भी चाहे जितना
करते रहते हैं हम
प्रेमानुभूति से
समृद्ध-संपन्न-संपूर्ण
खुद को ही।

व्यंग्य / अंशुमाली रस्तोगी

इश्क की शमा जलाए रखिए

इधर कुछ दिनों से नेगेटिव होना-सोचना कतई छोड़ दिया है मैंने। ज्यादातर पॉजिटिव ही रहता हूं। देश-दुनिया की फिक्र उतनी ही करता हूं, जितना मेरा दिमाग इजाजत दे। मूड को कूल रखता हूं। दिल बहलाने के लिए, कभी-कभार, पूर्व प्रेमिका के खतों को पढ़ लिया करता हूं। उसके भेजे वैलेंटाइन-डे के कार्ड्स आज भी मन में उमंग भर देते हैं। क्या जमाना था वो। तब न सोशल मीडिया की लत थी, न गैजेट्स का शोर। सुकून के साथ इश्क का इजहार भी हो जाता था और इनकार भी। न किसी के खत वायरल होते थे, न किसी की इज्जत खराब होती थी। हां, जिनके दिल टूटते थे, वे खुद से ही जोड़ भी लेते थे। वो छत और गली-मोहल्ले वाला इश्क रह-रहकर दिल को उसी खुशनुमा दौर में लिए जाता है। खैर, आज के दौर में तो वैलेंटाइन-डे सोशल मीडिया पर शुरू होकर यहीं खत्म हो जाता है। इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप पर इजहार हो जाता है और यहीं इनकार भी। अब स्क्रीनशॉट वायरल होते हैं। वर्चुअल लड़ाई-झगड़े होते हैं। फिर कब, कौन, कहां, किसके साथ डेट पर चल देता है, कुछ पता ही नहीं चलता। लंबे मगर खूबसूरत इश्क शायद ही निभाए या चल पाते हों अब।

बदलते दौर को देख मैंने भी अब खुद को लगभग बदल लिया है। एआई की शरण में हूं। उससे पूछ रहा हूं कि 'नई प्रेमिका संग वैलेंटाइन-डे कैसे मनाऊं?' एआई बता रहा है, 'पहले उसको व्हाट्सएप पर अच्छा-सा मैसेज लिखो। फोन पर रोमांटिक बातें करो। शाम का टाइम फिक्स कर साथ कॉफी पीना तय करो। हां, साथ एक बुके जरूर ले जाना। इतने से ही आपका दिन बन जाएगा।' प्रेमिका चूंकि नए जमाने की है। उसके नाज-नखरे कुछ अलग हैं। दिल पर तुरंत ले लेती है। अटेंशन पूरी चाहती है। इश्क को कविता की मानिंद लेती है। इसलिए ध्यान भी खास रखना पड़ता है। नया-नया मामला है। नहीं चाहता वैलेंटाइन-डे पर पानी फिर जाए।

साथी लोग समझाते हैं, इस उम्र में तुम्हें इश्क में नहीं पड़ना चाहिए। मैं उनसे पूछता हूं, 'क्यों? इश्क की कोई उम्र नहीं होती। जब दिल चाहे इश्क कीजिए। एक से कीजिए या अनेक से, यह निर्भर आपकी जिंदादिली पर। यों भी, इश्क करते रहने से उम्र बढ़ती ही है, कम नहीं होती। इश्क दिल-दिमाग को मजबूत बनाता है। इश्क में नमक भी होता है मिठास भी। वैलेंटाइन बाबा इस हकीकत को बहुत अच्छे से जानते-समझते थे।'

नेगेटिविटी का साथ छोड़ पॉजिटिव बनिए। जितना पॉजिटिव रहेंगे, उतना ही इश्क परवान चढ़ेगा। मैं पॉजिटिविटी का दामन थामे हुए हूं। तकनीक के साथ पॉजिटिव वैलेंटाइन मनाने में यकीन रखता हूं। माना कि इश्क करने के मायने-तरीके बदल चुके हैं अब, पर जज्बा तो साथ है न। काफी है। अकसर सोचता हूं, जिनकी प्रेमिकाएं नहीं होतीं, उनका जीवन कितना नीरस रहता होगा? न कोई रोमांस, न कोई उमंग, न कोई टशन। वैलेंटाइन-डे आए या चला जाए उनकी सेहत पर क्या फर्क!

पुनः कह रहा हूं, इश्क की शमा दिल में जलाए रखिए। शाम होने का इंतजार न कीजिए। जीवन जितना मिला है, इश्क के हवाले कर दिमाग को स्ट्रेस-फ्री रखिए। प्रेमिका के लिए शेर कहते रहिए। कविताएं लिखते रहिए। हर वैलेंटाइन साथ जुड़े रहिए। इश्क का रंग गाढ़ा होता रहेगा, यकीन मानिए। और हां, इश्क के साथ अक्ल कतई न लगाएं। अक्ल इश्क की नजाकत का मजा किरकिरा कर देती है।

बकौल अकबर इलाहाबादी साहब-
इश्क नाजुक-मिजाज है बेहद
अक्ल का बोझ उठा नहीं सकता। *

लघुकथा / डॉ. अलका जैन 'आराधना'

सच्चा प्यार

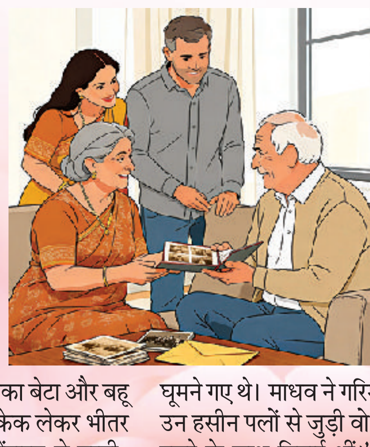

शहर की भाग-दौड़ और वैलेंटाइन-डे के शोरगुल से दूर, माधव अपने बगीचे में लगे उन पौधों को निहार रहे थे, जो वसंत की दस्तक से खिलखिला उठे थे। तभी उनकी पत्नी सावित्री, रसोई से अदरक वाली चाय लेकर बरामदे में आईं और हल्की मुस्कान के साथ माधव को चाय का प्याला थमाते हुए वहीं बैठ गईं।

तभी घर के दरवाजे की घंटी बजी। उनका बेटा और बहू हाथ में फूलों का एक बड़ा गुलदस्ता और केक लेकर भीतर आए। उन्होंने उत्साह में कहा, 'हैप्पी वैलेंटाइन-डे मम्मी-पापा!' माधव और सावित्री ने एक-दूसरे की ओर देखा। उनकी आंखों में एक-दूसरे के प्रति अगाध सम्मान था। बहू ने उत्सुकता से पूछा, 'पापा जी, आप आज मम्मीजी को क्या गिफ्ट दे रहे हैं?'

माधव ने अलमारी के दराज से एक पुराना, पीला पड़ चुका लिफाफा निकाला और सावित्री के हाथों में पकड़ा दिया। जब सावित्री ने उसे खोला तो उसमें उन तमाम जगहों की सूचियां और प्यारी तस्वीरें थीं, जहां वे पिछले चालीस सालों में साथ घूमने गए थे। माधव ने गरिमापूर्ण स्वर में कहा, 'मेरा उपहार उन हसीन पलों से जुड़ी वो यादें हैं सावित्री, जो हमने एक-दूसरे के साथ बिताई थीं।' यह देख-सुनकर सावित्री की आंखों में खुशी के आंसू छलक आए। उनके बेटे-बहू को एहसास हो गया कि सच्चा प्यार क्या होता है! *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रेम कथा अनंता

जिस तरह से ईश्वर और उसकी कथा का कोई अंत नहीं है, उसी तरह प्रेम की कथा भी अनंत है। यही वजह है कि विश्व साहित्य में आरंभ से ही प्रेम पर असंख्य कविताएं और कहानियां लिखी जाती रही हैं, लेकिन यह सिलसिला आज भी अनवरत जारी है। हिंदी जगत की अनेक पत्रिकाएं भी प्रेम पर केंद्रित विशेषांक निकालती रही हैं। इसी क्रम में 'निकट-43' का ताजा अंक आत्मकथात्मक प्रेमकथा विशेषांक के रूप में प्रकाशित होकर आया है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता तो यही है कि इसमें छपी सभी प्रेम कहानियां आत्मकथात्मक शैली में लिखी गई हैं। यही वजह है कि इसमें प्रकाशित कहानियों में प्रेम, रचनाकार के आत्म से संपृक्त, बहुत सांद्र रूप में प्रकट हुआ है। इसमें कुछ आलेखों, कविताओं, एक संस्मरण और तेरह प्रेम कहानियों के अलावा संपादक कृष्ण बिहारी की लंबी कहानी 'एक शिकायत विहीन प्रेमकथाः अनागत' भी मौजूद है। अधिकांश कहानियां हमें एंद्रिकता से बहुत दूर प्रेम के देखे-अनदेखे भावजगत की ऐसी यात्रा पर ले चलती हैं, जहां प्रेमी और प्रेमिका के भीतर कुछ पाने की लालसा नजर नहीं आती है। वे सिर्फ एक-दूसरे के संग होने, हासिल पलों के जीने को ही प्रेम का प्रतिफल मान लेते हैं। प्रियंवद और जया जादवानी की कहानियां प्रेम को अलग ही कोण से प्रकट करती हैं तो कृष्ण बिहारी की कहानी प्रेम का नया व्याकरण रचती है। इनके अलावा कल्पना मनोरमा, पंकज सुबीर, कविता विकास, लता शर्मा और पूनम मनु की कहानियां भी अपने भावभीने कथानक और मुलायमियत भरी अभिव्यक्ति से मन में ठहर जाती हैं। अन्य कहानियां भी बेहद पठनीय हैं। ये कहानियां साबित करती हैं कि हिंसा और युद्ध की विभीषिका से आक्रांत आज के विश्व में मनुष्यता को बचाए रखने की सामर्थ्य केवल प्रेम में ही है। *

पत्रिकाः निकट-43 (आत्मकथात्मक प्रेमकथा विशेषांक),
संपादकः कृष्ण बिहारी, **मूल्यः** 50 रुपए

{ बेमिसाल / शिखर चंद जैन }

दुनिया भर में अलग-अलग स्थानों पर प्रेम के ऐसे स्मारक मौजूद हैं, जो अमर प्रेम की कहानियों के गवाह हैं। ये ऐतिहासिक स्मारक न केवल अब विश्व धरोहर माने जाते हैं, बल्कि पर्यटकों को आकर्षित भी करते हैं। प्रेम को समर्पित ये शानदार निशानियां, हर प्रेमी युगल को प्रेरित भी करते हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

अद्वितीय-लाजवाब-शानदार

विश्व प्रसिद्ध प्रेम के स्मारक

बोल्ट कैसल अमेरिका

बोल्ट कैसल एलेक्जेंड्रिया बे, न्यूयॉर्क में हार्ट आइलैंड पर स्थित एक शानदार ऐतिहासिक महल और लोकप्रिय पर्यटन केंद्र है। इसे जॉर्ज सी बोल्ट ने अपनी पत्नी लुईस के लिए, अपने प्यार की निशानी के तौर पर बनवाना शुरू किया था। लेकिन लुईस के निधन के बाद यह अधूरा रह गया। यह एक छह मंजिला, 120 कमरों वाली राइनलैंड शैली की संरचना है, जिसमें सुरंगें, इटालियन उद्यान, एक ड्रॉब्रिज और एक ओएस्टर टॉवर नामक बच्चों का प्लेहाउस भी है। इसका निर्माण 1900 में शुरू हुआ था, लेकिन जनवरी 1904 में लुईस की अचानक मृत्यु के बाद, जॉर्ज बोल्ट का मन टूट गया। फिर उन्होंने इसे अधूरा छोड़ दिया। लेकिन यह अधूरा स्मारक, प्रेम की निशानी के तौर पर दुनिया भर में जाना जाता है।

शैटो डी चेनोंसो फ्रांस

महिलाओं का महल कहे जाने वाले इस महल की दीवारों में कई प्रेम कहानियां और रानियों के किस्से छिपे हैं। शैटो डी चेनोंसो को अकसर 'प्यार और प्रतिद्वंद्विता की निशानी' के रूप में देखा जाता है। इसकी कहानी एक प्रसिद्ध शाही प्रेम त्रिकोण से संबंधित है।

दरअसल, वर्ष 1547 में फ्रांस के राजा हेनरी द्वितीय ने इस महल को अपनी प्रेमिका डायने डी पोइटियर्स को उपहार स्वरूप दिया था, जिनसे वह गहरा प्रेम करते थे। डायने ने ही शेर नदी पर वह प्रसिद्ध मेहराबदार पुल बनवाया था, जो आज इस महल की सबसे बड़ी पहचान है। लेकिन हेनरी की मृत्यु के बाद, उनकी पत्नी रानी कैथरीन डी मेडीसी ने ईर्ष्यावश डायने को इस महल से निकाल दिया और खुद इस पर कब्जा कर लिया।

जूलियट का घर इटली

इटली देश के वेरोना में स्थित 'कासा डी गियुलिएट्टा' विलियम शेक्सपियर के पात्रों रोमियो और जूलियट के अमर प्रेम की याद दिलाता है। जूलियट का घर कासा डि गियुलिएट्टा, 13वीं सदी की एक ऐतिहासिक इमारत है। यह प्रसिद्ध 'रोमियो और जूलियट' नाटक से प्रेरित एक प्रमुख पर्यटक स्थल है, जहां आंगन में आइकॉनिक बालकनी और जूलियट की कांस्य मूर्ति है। हालांकि जूलियट एक काल्पनिक पात्र है, लेकिन यह घर रोमांस के प्रतीक के रूप में प्रसिद्ध है। जूलियट की मूर्ति के बारे में ऐसी मान्यता है कि मूर्ति के दाहिने हाथ को छूने से प्यार में सौभाग्य मिलता है।

कोरल कैसल अमेरिका

आपको जानकर हैरानी होगी कि एक अमेरिकी व्यक्ति एडवर्ड लीडस्कैलनिन ने अपनी प्रेमिका के लिए कोरल कैसल नामक भवन खुद ही अकेले बनाया था। यह उसके प्रेम की अटूट शक्ति को दर्शाता है। फ्लोरिडा के होमस्टेड में स्थित कोरल कैसल एक रहस्यमयी पत्थर का ढांचा है, जिसे लैटिन अमेरिकी प्रवासी एडवर्ड लीडस्कैलनिन ने 1923-1951 के बीच अकेले बनाया था। 1,100 टन से अधिक कोरल चट्टान से निर्मित, इस संरचना में तराशे गए कई बड़े पत्थर, दीवारें और फर्नीचर शामिल हैं, जिसे 'फ्लोरिडा का स्टोनहेंज' भी कहा जाता है। एडवर्ड का कद मात्र 5 फीट और वजन 100 पाउंड था, फिर भी उन्होंने बिना किसी आधुनिक मशीनरी के लगभग 1,100 टन वजनी पत्थरों को काटकर और तराशकर यह महल खड़ा किया था। उन्होंने यह काम लगभग 28 वर्षों तक गुप्त रूप से किया। दरअसल, अपनी मंगेतर (एग्नेस) द्वारा शादी से एक दिन पहले रिश्ता तोड़ देने के बाद, टूटे दिल के साथ एडवर्ड ने इसे एक प्रेम स्मारक के रूप में बनाया था।

एलेनोर क्रॉसेस इंग्लैंड

एलेनोर क्रॉसेस, 13वीं शताब्दी के अंत में इंग्लैंड के राजा एडवर्ड प्रथम द्वारा अपनी पत्नी एलेनोर ऑफ कैस्टिले की याद में बनवाए गए 12 क्रॉस मेमोरियल हैं। वर्ष 1290 में एलेनोर की मृत्यु के बाद, दुःखी होकर राजा ने उनके अंतिम संस्कार की यात्रा के दौरान लिंकन से लंदन के बीच प्रत्येक पड़ाव (रात्रि विश्रामस्थल) पर पत्थर के ये भव्य क्रॉस बनवाए थे। इनमें से अब केवल तीन- गेडिंगटन, हार्डिंगस्टोन और वाल्थम, मूल रूप में बचे हैं। *

सबसे अनोखा ताजमहल-शालिमार बाग

अपने देश भारत में भी प्रेम की दो बेमिसाल निशानियां मौजूद हैं। मुगल सम्राट शाहजहां द्वारा अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में बनाया गया सफेद संगमरमर का मकबरा ताजमहल, दुनिया में प्यार का सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता है। ताजमहल, भारत ही नहीं दुनिया भर में निस्संदेह 'प्यार की सबसे खूबसूरत निशानी' माना जाता है। इसका निर्माण 1631 में शुरू हुआ और 1653 में पूरा हुआ। इसे बनाने में लगभग 22,000 मजदूरों और शिल्पकारों ने काम किया था। इसे राजस्थान के मकराना से लाए गए शुद्ध सफेद संगमरमर से बनाया गया, जिस पर कीमती पत्थरों की पच्चीकारी की गई है।

शालिमार बाग को मुगल बादशाह जहांगीर ने 1619 में अपनी पत्नी नूरजहां के लिए बड़े मन से बनवाया था। शालिमार बाग, श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर) में स्थित एक प्रसिद्ध मुगल गार्डन है, जिसे 'श्रीनगर का ताज' भी कहा जाता है। यह बाग 'चहार बाग' शैली पर आधारित है और तीन छतों में विभाजित है, जो जल निकायों और फव्वारों से सुसज्जित है। यहां मौजूद चिनार के पेड़, रंग-बिरंगे फूल, दीवान-ए-खास और दीवान-ए-आम जैसे मंडप, पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। यह डल झील के दाहिने किनारे पर स्थित है और यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में शामिल है।

प्रेम की भावना को व्यक्त करते प्रतीक

प्रेम की गहरी भावना को व्यक्त करने के लिए पुराने दौर से ही कई तरह के प्रतीकों का सहारा लिया जाता रहा है। प्रेमी युगल के बीच प्रचलित प्रेम के कुछ प्रतीकों के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

{ मान्यता / अंजू जैन }

प्रेमी या प्रेमिका को जब अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति के लिए शब्द नहीं सूझते या फिर वे ज्यादा प्रभावशाली तरीके से प्यार का इजहार करने की चाहत रखते हैं तो ऐसे प्रतीकों का सहारा लेते हैं, जो बिना कुछ कहे उनके दिल में उमड़ रही प्यार की भावनाओं को व्यक्त कर देते हैं। ऐसे ही कुछ प्रतीकों पर एक नजर-

वीणा: वीणा केवल संगीत का वाद्ययंत्र ही नहीं है, यह अपने मधुर सुरों के माध्यम से भावनात्मक जुड़ाव और प्रेम के गहरे पहलुओं को भी प्रकट करती है। वीणा को प्रेम, शांति और सद्भाव का एक महत्वपूर्ण प्रतीक माना जाता है। भारतीय संस्कृति और विभिन्न वैश्विक परंपराओं में इसके अलग-अलग प्रतीकात्मक अर्थ हैं। नॉर्वे और आइसलैंड की परंपराओं में माना जाता है कि वीणा के तार एक सीढ़ी बनाते हैं, जो प्रेम और आध्यात्मिक चेतना की उच्च अवस्थाओं तक पहुंचने का मार्ग है। वीणा की मधुर ध्वनि को अकसर प्रेम के गीतों और आकर्षण से जोड़ा जाता है।

रोज क्वाट्र्ज: रोज क्वाट्र्ज को मुख्य रूप से निःस्वार्थ प्रेम, करुणा और भावनात्मक उपचार के पत्थर के रूप में जाना जाता है। यह कोमल गुलाबी रंग का क्रिस्टल हृदय चक्र से गहराई से जुड़ा होता है, जो आत्म-प्रेम रोमांटिक रिश्तों में सुधार, मित्रता और पारिवारिक प्रेम को बढ़ावा देने के लिए उपयोग किया जाता यह प्रेम के सभी रूपों को आकर्षित करता है, प्रेम के टूटे रिश्तों को जोड़ने में मदद करता है। यह प्रेमियों के बिछड़ने से होने वाले दर्द, भावनात्मक पीड़ा और तनाव को दूर करने में सहायक है। वैवाहिक जीवन में शांति और प्रेम बढ़ाने के लिए इसे बेडरूम के दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखना शुभ माना जाता है। यह शुक्र ग्रह से संबंधित है, जो रोमांस, सौंदर्य और कलात्मकता को बढ़ाता है।

हंस: हंस अपनी वफादारी, समर्पण और आजीवन साथ निभाने के स्वभाव के कारण प्रेम, निष्ठा और पवित्रता का प्रतीक माने जाते हैं। इन्हें अकसर एक-दूसरे के साथ कपल के रूप में देखा जाता है, जो गहरे प्रेम और रोमांस का प्रतीक है। वे अपने साथी के प्रति जीवन भर प्रतिबद्ध रहते हैं और एक-दूसरे के साथ गर्दन मोड़कर दिल के आकार की आकृति भी बनाते हैं। इनके बीच इतना गहरा लगाव होता है कि लोग अकसर प्रेमी जोड़ों को 'दो हंसों का जोड़ा' कहते हैं।

सेब: सेब ऐतिहासिक और पौराणिक रूप से प्रेम, सुंदरता और उर्वरता का एक शक्तिशाली प्रतीक है। ग्रीक और रोमन कथाओं में यह प्रेम की देवी एफ्रोडाइट वीनस से जुड़ा है। एफ्रोडाइट प्राचीन यूनानी पौराणिक कथाओं में प्रेम, सौंदर्य, इच्छा और प्रजनन क्षमता की मुख्य देवी थीं। रोमन पौराणिक कथाओं में उन्हें 'वीनस' के रूप में जाना जाता है। वीनस, अकसर सेब धारण किए हुए चित्रों में दिखाई देती हैं। सेब को 'प्रेम का फल' भी माना जाता है। यह अकसर काम भाव और गहरे भावनात्मक जुड़ाव का प्रतिनिधित्व करता है।

इनफिनिटी चिन्ह: इनफिनिटी चिन्ह, क्षैतिज आठ की आकृति जैसा दिखता है और शाश्वत प्रेम, अटूट बंधन व समर्पण का सार्वभौमिक प्रतीक है। इसका मतलब है वह प्यार जिसका न कोई आरंभ है और न कोई अंत। यह एक गहरा भावनात्मक प्रतीक है, जो समय और स्थान से परे शाश्वत संबंध और कभी न खत्म होने वाली प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह प्रेमी जोड़ों या परिवार के सदस्यों के बीच के स्थायी और मजबूत संबंध का प्रतिनिधित्व करता है। इसका उपयोग आभूषणों (अंगूठी, नेकलेस, ब्रेसलेट), टैटू और उपहारों में किया जाता है ताकि अपने स्नेह की गहराई को व्यक्त किया जा सके। *

आमतौर पर माना जाता है कि अगर आप सिंगल हैं यानी आपका कोई लव या लाइफ पार्टनर अब तक नहीं है तो वैलेंटाइन-डे आपको मायूस कर देगा। लेकिन ऐसा नहीं है। आप अलग अंदाज में अपने साथ ही वैलेंटाइन-डे मना सकते हैं।

सिंगल हैं तो क्या हुआ खुद के साथ करें सेलिब्रेट

{ अलग नजरिया / नम्रता नदीम }

हर वर्ष 14 फरवरी यानी वैलेंटाइन-डे पर सोशल मीडिया कपल्स की तस्वीरों से भरा रहता है। माना जाता है कि ऐसे लोग जो किसी के साथ रिलेशनशिप में नहीं हैं, उन्हें यह दिन काफी चुभता है, इस दिन उन्हें अकेलेपन की पीड़ा भीतर तक सालती है। अगर आपका भी कोई पार्टनर नहीं है, आप खुद को अधूरा महसूस करते हैं तो यह सोच सही नहीं है। हम आपको बताते हैं कि कैसे अपने अकेलेपन को दूर कर, यह दिन मना सकते हैं?

खुद से ही प्यार करें

अगर आपके साथ कोई साथी न हो तो खुद को ही अपना वैलेंटाइन बनाएं। खुद को गिफ्ट करें। अकेले जाकर किसी रेस्टोरेंट में खुद को ट्रीट दें। दूसरे लोगों को एक साथ देखकर उनसे अपनी तुलना करके परेशान न हों। इससे अगर कोई आपके साथ न भी हो तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

क्या हुआ जो बैचलर हैं

अगर आपने अभी तक शादी के लिए किसी का चुनाव नहीं किया या कोई ऐसा पार्टनर आपको नहीं मिला, जिसके साथ आप जीवनभर चलने का संकल्प ले सकें, तो क्या हुआ? आप अपनी इच्छा से सिंगल हैं। इसमें गम मनाने की तो कोई बात नहीं। सिंगल्स के ग्रुप को ज्वाइन करें और अपने सिंगल हुड को एंज्वाय करें।

शादीशुदा भी तो खुश नहीं

अगर आपने अभी तक शादी नहीं की या किसी के साथ रिलेशनशिप में नहीं हैं तो उनके बारे में सोचो, जो कपल्स शादी करके भी अकसर परेशान रहते हैं। उनसे पूछकर देखें तो वो बताएंगे कि जिन हालात में वो हैं, इससे तो अच्छा था वो शादी ही न करते। इस तरह अपने सिंगल हुड को अपनी उन्नति के लिए एक बड़ी उपलब्धि समझते हुए उसे एंज्वॉय करें। आप जो हैं, जैसे हैं, उसी में संतुष्ट रहें।

करियर पर फोकस करें

कॉलेज में अपने दोस्तों को अपनी पार्टनर के साथ खुश देखकर उनसे द्वेष करना सही नहीं है। हो सकता है वो सामान्य दोस्ती में हों, न कि एक दूसरे के गर्लफ्रेंड-ब्वॉयफ्रेंड हों। आप भी इस तरह किसी से दोस्ती करके उस दोस्ती को भी एंज्वॉय कर सकते हैं। जो टीनएजर अपने सिंगल हुड स्टेटस को लेकर परेशान होते हैं, उन्हें अपने करियर पर फोकस करने की ज्यादा जरूरत है। क्योंकि यही वह उम्र है, जब किसी से रिलेशनशिप में रहकर अपने जीवन में तनाव पालने की बजाय करियर पर फोकस करना भविष्य के लिए ज्यादा अच्छा होता है।

अकेले होने का गम कैसा

आजकल ऐसे तमाम ग्रुप और क्लब हैं, जहां सिंगल लोग एक-दूसरे के साथ को एंज्वॉय करते हैं। वे आपस में मिलकर पार्टी करते हैं या कहीं घूमने का प्रोग्राम बनाते हैं यानी सिंगल हुड कोई कमी होने का पर्याय नहीं है। आप अपने आपको किस रूप में देखना चाहते हैं, यह ज्यादा अहम है। हमें अपने आसपास ऐसे तमाम पुरुष और महिलाएं मिल जाएंगी, जिन्होंने अपने मन से सिंगल रहना चुना है। वे अकेले रहकर अपनी जिंदगी को बहुत ही अच्छे तरीके से जी रहे हैं। इसलिए सिंगल हुड के कई फायदे होते हैं, इसे भी समझें।

सोच समझकर बनाएं रिलेशन

आपके सर्कल में रहने वाले लड़के या लड़कियां अगर सभी किसी न किसी रिलेशनशिप में हैं और आप उनमें अकेले सिंगल हैं, तो अगर वे जबर्दस्ती आपको किसी के साथ रिलेशनशिप में आने, डेटिंग संबंधी सलाह देने या जबर्दस्ती किसी के साथ इनवॉल्व करने की कोशिश करें तो ऐसे लोगों से दूरी बना लें। क्योंकि सिंगल होने का मतलब किसी की दया का पात्र होने का नहीं है, जो लोग सिंगल होने को कमतर या बदकिस्मती समझ लेते हैं, उन्हें यह जता दें कि आप अपनी इच्छा से सिंगल हैं। किसी के साथ बुरे रिलेशनशिप में रहने से सिंगल होना आपको ज्यादा दिमागी सुकून देता है। प्यार का रिश्ता भले ही देर से बने लेकिन यह रिश्ता प्यारा, मजबूत और समझदारी से भरा होना चाहिए। *

{ सिने-ट्रेंड / अशोक जोशी }

अपने आरंभिक काल से ही प्रेम आधारित कहानियों पर हिंदी फिल्में बनती रही हैं। बदलते समय और दर्शकों की पसंद के अनुसार ऐतिहासिक और लोकचर्चित प्रेम कहानियों का फिल्मी रूपांतरण होता रहा है। ऐसी ही कुछ चर्चित फिल्मों पर एक नजर।

फिल्मी पर्दे पर खूब दिखती रही हैं

ऐतिहासिक-लोकचर्चित प्रेमकथाएं

जब से हिंदी फिल्मों का निर्माण शुरू हुआ है, फिल्मकारों का सबसे प्रिय विषय प्रेम ही रहा है। अधिकांश फिल्मों में किसी न किसी रूप में प्रेम मौजूद रहता ही है। लेकिन कई ऐसी माइलस्टोन फिल्में भी बनी हैं, जो ऐतिहासिक या लोकचर्चित पात्रों की प्रेमकथाओं पर आधारित रही हैं। इनमें से कुछ के बारे में यहां बता रहे हैं।

खूब पसंद की गईं ऐतिहासिक प्रेम कहानियां

हमारे यहां ऐसे कई ऐतिहासिक पात्र हुए हैं, जिनकी प्रेमगाथाएं पर्दे पर ज्यादा सफल हुई हैं। इस क्रम में सबसे ज्यादा सफल फिल्म के. आसिफ की 'मुगले आजम' को माना जाता है। इस फिल्म में पृथ्वीराज कपूर ने अकबर, दिलीप कुमार ने सलीम और मधुबाला ने अनारकली की भूमिका में जान डाल दी थी। भव्य सेट, दिलचस्प संवाद और कर्णप्रिय गानों के बल पर यह फिल्म अब तक की सबसे ज्यादा सफल फिल्मों में शामिल है। इसी के आसपास बनी 'अनारकली' में प्रदीप कुमार और बीना राय ने अभिनय किया था। सी. रामचंद्र ने इसके लिए मधुर संगीत रचा था। यह फिल्म भी सफल रही। मुगलकाल के एक और प्रेम प्रसंग पर आधारित 1963 में बनी फिल्म 'ताजमहल' शाहजहां और मुमताज महल के प्रेम पर आधारित थी। इस रंगीन फिल्म की विशेषता रोशन का मधुर संगीत था। इसके गीत 'जो वादा किया वो निभाना पड़ेगा' और 'पांव छू लेने दो' आज भी बहुत पसंद किए जाते हैं। इसके बाद आशुतोष गोवारीकर ने फिल्म 'जोधा-अकबर' में अकबर और जोधाबाई की प्रेमकहानी को पर्दे पर उतारा। साठ और सत्तर के दशक में ऐतिहासिक प्रेम कथाओं पर आधारित जो श्वेत-श्याम फिल्में बनीं उनमें मांडू के अंतिम सुलतान बाज बहादुर और एक गड़रिया की गायिका बेटी रूपमती की प्रेमगाथा पर आधारित 1957 की फिल्म 'रानी रूपमती' में भारत भूषण और निरूपा राय ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसी तरह मगध के राजा चंद्रगुप्त और ग्रीस की हेलेना की युद्ध के बाद प्रेम में बदली कहानी पर 1959 में बनी फिल्म सम्राट 'चंद्रगुप्त' में भी भारत भूषण और निरूपा राय की जोड़ी थी। सन 1946 में पृथ्वीराज कपूर और मीना कुमारी अभिनीत फिल्म 'पृथ्वीराज संयोगिता' बनी थी। जो इनके प्रेम पर आधारित थी। वर्ष 2022 में यशराज फिल्म्स ने अक्षय कुमार-मानुषी छिल्लर अभिनीत फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' का निर्माण किया था। रजिया सुल्तान और याकूत की प्रेम कहानी पर आधारित फिल्म 'रजिया सुल्तान' का दो बार निर्माण हुआ। 1961 में जयराज और निरूपा राय मुख्य भूमिकाओं में थे तो 1983 में बनी 'रजिया सुल्तान' को धर्मेंद्र और हेमामालिनी की जोड़ी के लिए जाना जाता है। मगध के राजा बिंबसार और वैशाली की नगरवधु आम्रपाली की प्रेम कहानी पर आधारित लेख टंडन की फिल्म 'आम्रपाली' में सुनील दत्त और वैजयंती माला ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म के गाने कर्णप्रिय थे, इसके बावजूद यह फिल्म नहीं चली। इसी तरह ऐतिहासिक प्रेमकथाओं पर आधारित 'नूरजहां', 'यहूदी' भी नहीं चल पाईं। सन 1984 में रिलीज हुई हिंदी फिल्म 'उत्सव' प्राचीन संस्कृत नाटक 'मृच्छकटिकम' पर आधारित थी। इसमें वसंत सेना (रेखा) और एक गरीब ब्राह्मण चारुदत्त (शेखर सुमन) की प्रेम कहानी को दर्शाया गया। इसका निर्माण शशि कपूर ने और निर्देशन गिरीश कर्नाड ने किया था। हालिया बरसों में संजय लीला भंसाली की मराठा पेशवा बाजीराव और बुंदेलखंड की राजकुमारी मस्तानी की प्रेम कहानी पर आधारित 'बाजीराव मस्तानी' ने सफलता के झंडे गाड़ दिए थे।

'आम्रपाली' में सुनील दत्त के साथ वैजयंती माला

'मुगल-ए-आजम' में दिलीप कुमार-मधुबाला

लोक चर्चित प्रेम पर आधारित फिल्में

'लैला-मजनू', 'हीर-रांझा', 'सोहनी-महिवाल', 'शीरी-फरहाद' ऐसी लोक चर्चित प्रेम कहानियां हैं, जो सदियों से सुनी और सुनाई जाती रही हैं। इन पर बनी अधिकांश हिंदी फिल्में सफल रही हैं। इन कहानियों में 'लैला-मजनू' पर सबसे ज्यादा फिल्में बनी हैं। इनमें 1953 में बनी शम्मी कपूर और नूतन अभिनीत और उसके बाद 1973 में उनके भतीजे ऋषि कपूर और रंजीता अभिनीत 'लैला-मजनू' सबसे ज्यादा सफल रहीं। सन 1956 में बनी 'शीरी फरहाद' में प्रदीप कुमार और मधुबाला की भूमिकाएं थीं। लोक प्रेम कहानियों में पंजाब की माटी से जन्मी 'हीर-रांझा' और 'सोहनी-महिवाल' की प्रेम कहानियों पर सफल फिल्में बनी हैं। पहली फिल्म 1958 में बनी थी। इसमें भारत भूषण और निम्मी की भूमिकाएं थीं। इसके बाद 1984 में भारत और रूस के सहयोग से बनी 'सोहनी-महिवाल' का निर्देशन उमेश मेहरा ने किया था। इसमें सनी देओल और पूनम ढिल्लों के साथ जीनत अमान भी थीं। अनु मलिक के मधुर संगीत से रची यह फिल्म बेहद लोकप्रिय रही। राजस्थान की लोककथा पर आधारित फिल्म 'ढोला-मारू' भी सफल रही। लेकिन इन तमाम प्रेम कहानियों में 'हीर-रांझा' की प्रेम कहानी सबसे ज्यादा हिट हुई। 1970 में चेतन आनंद ने प्रिया राजवंश और राजकुमार को लेकर 'हीर रांझा' का निर्माण किया था।

कहने का सार है कि इतिहास, पुराणों और लोक संस्कृति में प्रसिद्ध प्रेमकथाओं पर फिल्मों का निर्माण हमेशा से होता रहा है। कुछ अपवादों को छोड़ दें तो इन्हें दर्शक खूब पसंद भी करते हैं। *